mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-09 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
09 जनवरी 2025 गुरुवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

तलाक के मामले पर...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

अफगानिस्तान की मदद के लिए आगे आया भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बुधवार को दुबई में अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्तकी के साथ बातचीत की। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, बैठक में अफगान पक्ष ने भारत की सुरक्षा चिंताओं के प्रति अपनी संवेदनशीलता को रेखांकित किया। बयान में कहा गया कि भारत निकट भविष्य में मानवीय सहायता कार्यक्रम के अलावा विकास

परियोजनाओं में भी शामिल होने पर विचार करेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''अफगानिस्तान के लिए मानवीय सहायता के उद्देश्य सहित व्यापार और वाणिज्यिक गतिविधियों में सहयोग के लिए चाबहार बंदरगाह के इस्तेमाल को बढ़ावा देने पर भी सहमति बनी।'' अफगान पक्ष के अनुरोध के जवाब में भारत स्वास्थ्य क्षेत्र और शरणार्थियों के पुनर्वास के लिए पहले चरण में और अधिक सहायता प्रदान करेगा।
विदेश मंत्रालय ने कहा, ''विदेश सचिव ने अफगान लोगों के साथ भारत की ऐतिहासिक मित्रता और दोनों देशों के लोगों के बीच मजबूत संबंधों को रेखांकित किया।'' यह पहल भारत और अफगानिस्तान के बीच सहयोग को बढ़ावा दे सकती है, जिससे दोनों देशों को लाभ होगा।

ईरान ने इटली की पत्रकार सेसिलिया को किया रिहा

रोम (एजेंसी)। ईरान में बीते साल 19 दिसंबर को गिरफ्तार की गई इटली की पत्रकार को रिहा

कर दिया गया है। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी है। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के कार्यालय ने कहा कि सेसिलिया साला को लेकर विमान तेहरान से रवाना हो गया है। इसके मुताबिक, उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए कूटनीतिक स्तर पर काफी प्रयास किए गए थे। मेलोनी ने सेसिलिया के माता-पिता को यह सूचना दे दी है। पत्रकार की रिहाई के बारे में ईरानी सरकार की ओर से तत्काल कोई बयान नहीं आया है। सेसिलिया साला एक दैनिक की संवाददाता हैं। उन्हें पत्रकार वीजा पर ईरान पहुंचने के तीन दिन बाद 19 दिसंबर को तेहरान में गिरफ्तार कर लिया गया था। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी 'ईरना' के मुताबिक, उन्होंने देश के कानूनों का उल्लंघन किया था। अमेरिकी वारंट पर इटली में एक ईरानी इंजीनियर की गिरफ्तारी के बाद सेसिलिया को गिरफ्तार किया गया था। आशंका जताई जा रही थी कि ईरान ने सेसिलिया को मोहम्मद आबेदिनी की रिहाई सुनिश्चित करने के वास्ते सौदेबाजी के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए गिरफ्तार किया था। आबेदिनी को 16 दिसंबर को मिलान के मालपेन्सा हवाई अड्डे पर अमेरिकी वारंट पर गिरफ्तार किया गया था। अमेरिकी न्याय विभाग ने आबेदिनी और एक अन्य ईरानी नागरिक पर ईरान को ड्रोन प्रौद्योगिकी की आपूर्ति करने का आरोप लगाया था, जिसका उपयोग जनवरी 2024 में जॉर्डन में अमेरिकी चौकी पर हमले में किया गया था।

मासूम बच्ची के ऊपर गिरा लड़का, खेल-खेल में चली गई जान

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के जुहू इलाके में एक अजीबों-गरीब घटना देखने को मिली है। दरअसल यहां दो साल की बच्ची के ऊपर लड़का गिर गया। इस दौरान बच्ची की मौत हो गई। वहीं बच्ची के परिवारवालों ने लापरवाही के आरोप में जुहू पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कराया है। प्राथमिक रूप से मिली जानकारी के मुताबिक, घटना 2 जनवरी की है जब मासूम बच्ची अपने परिवार के दुकान के पास खेल रही थी। लड़की के पिता की मानें तो इस दौरान आरोपी हर्षद गौरव अपने दोस्तों के साथ उस वक्त वहां मस्ती-मजाक कर रहा था। उसके साथ उसका दोस्त शाहनवाज अंसारी भी वहां था। लड़की मां ने कहा भी कि यहां मत खेलो कहीं और जाओ लेकिन वे नहीं माने। इस दौरान दोनों वहां मस्ती-मजाक कर रहे थे। इस दौरान हर्षद ने अपना बैलेंस खो दिया और 2 साल की मासूम बच्ची के ऊपर गिर गया, जिसकी वजह से लड़की के सिर में गंभीर चोट आई। इस दौरान घायल बच्ची को आनन-फानन में मुंबई के कूपर अस्पताल ले जाया गया, जहां दो दिनों बाद लड़की की मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, लड़के की लापरवाही की वजह से बच्ची की मौत हुई। ऐसे में परिजनों ने जुहू थाने का रुख किया और भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 के तहत केस दर्ज कराया और बच्ची की मौत का आरोप लड़के की लापरवाही को बताया।

मिलने का तत्काल समय मांगा

सीएम आतिशी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को 3 दिन में लिखा दूसरा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। सीएम आतिशी ने बुधवार को मुख्य चुनाव आयुक्त को एक और पत्र लिखा। यह उनका दूसरा पत्र है। आतिशी ने मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने का तत्काल समय मांगा है। आतिशी ने कहा कि आखिर आपको मिलने का समय देने में ऐतराज क्यों ? दिल्ली चुनाव में बस 27 दिन बाकी हैं। फ्री एंड फेयर चुनाव के लिए आपसे मुलाकात जरूरी है। पूरा देश और मीडिया दिल्ली चुनाव को देख रहा है।
सीएम आतिशी ने 5 जनवरी को भी चिट्ठी के जरिए मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने का समय मांगा था। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में वोट काटने और जोड़ने को लेकर उन्होंने आयोग से समय मांगा था। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को लिखे अपने पत्र में दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मेरे दिनांक 05.01.2025 के पहले पत्र के संबंध में है, जिसमें नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर

मतदाताओं को हटाने और जोड़ने के मुद्दे पर प्रकाश डाला गया था। हालांकि, मेरे पत्र के जवाब में, मेरे कार्यालय को ललित मित्तल, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी, दिल्ली से एक पत्राचार (संलग्न) प्राप्त हुआ है जिसमें कहा गया है कि कार्यालय इसका पता लगा रहा है।
लेटर में आतिशी ने लिखा, %महोदय, मैंने अपने पत्र में आपसे इस मामले पर व्यक्तिगत रूप से चर्चा करने और दिशानिर्देश प्राप्त करने के लिए तत्काल समय मांगा है क्योंकि यह मामला स्थानीय सीईओ के दायरे से बाहर है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में अब 27 दिन से भी कम समय बचा है, ऐसे में इस मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता पर माना जाना चाहिए। इस दौरान दिल्ली एकमात्र राज्य है जहां चुनाव होने जा रहे हैं और पूरा देश और उसका मीडिया इन चुनावों और इसकी प्रक्रियाओं पर करीब से नजर रखेगा। हम स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए भारत के चुनाव आयोग पर अपना भरोसा रखते हैं।
उन्होंने अंत में लिखा कि एक बार फिर, मैं आपसे आगामी दिल्ली विधानसभा में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए जल्द से जल्द मिलने का समय देने का अनुरोध करना चाहूंगी।

ट्रांसफॉर्मर ही चुरा ले गए चोर, 25 दिन से गांव में बिजली नहीं

बदायूं (एजेंसी)। उप्र के बदायूं जिले के उघैती क्षेत्र में सोरहा गांव के लोग 250 केवीए के ट्रांसफॉर्मर की चोरी के बाद 14 दिसंबर से बिना बिजली के रहे हैं। स्थानीय लोगों और अधिकारियों के अनुसार चोरों ने पास के खेतों से ट्रांसफॉर्मर को उखाड़ दिया, उसके पुर्जे और अन्य कीमती सामानों को चुरा लिया और फिर वे भाग गए। बिजली विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। करीब पांच हजार की आबादी वाला यह गांव अंधेरे में डूबा हुआ है। चोरी की सूचना मिलने के बाद पुलिस और बिजली विभाग ने जांच शुरू की, लेकिन 25 दिन बीत जाने के बाद भी गांव में कोई नया ट्रांसफॉर्मर नहीं लगाया गया है। इससे ग्रामीणों में निराशा बढ़ रही है, जिन्हें अब बिजली न होने के कारण कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा प्रभावित विद्यार्थी हैं जो फरवरी में शुरू होने वाली उत्तर प्रदेश बोर्ड की परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली के बिना विद्यार्थी रात में पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उनका भविष्य खतरे में पड़ रहा है।

एचएमपीवी ने अब महाराष्ट्र में दी दस्तक, मुंबई समेत दो जिलों में मिले तीन मरीज

सरकार ने जारी की एडवाइजरी

मुंबई/नागपुर (एजेंसी)। एचएमपीवी ने अब महाराष्ट्र में भी दस्तक दे दी है। नागपुर के एक निजी अस्पताल में सात और 13 साल की उम्र के दो बच्चों का एचएमपीवी टेस्ट पॉजिटिव आया। इन दोनों बच्चों को खांसी और बुखार था। इसके अलावा मुंबई में भी एचएमपी वायरस का पहला केस सामने आया है। मुंबई में छह महीने का बच्चा एचएमपी संक्रमित मिला है। महाराष्ट्र में अभी तक आधिकारिक तौर पर कुल मिलाकर तीन मामले सामने आये हैं।
जानकारी के अनुसार, मुंबई के पवई स्थित हीरानंदानी अस्पताल में छह महीने की बच्ची में एचएमपीवी का मामला सामने आया है। बच्ची को एक जनवरी को गंभीर खांसी, सीने में जकड़न और ऑक्सीजन स्तर 84त्न तक गिरने के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था। डॉक्टरों ने नए रैपिड पीसीआर टेस्ट के जरिए वायरस की पुष्टि की। डॉक्टरों का कहना है कि बच्ची को आईसीयू में ब्रोंकोडायलेटर्स जैसी दवाओं से लक्षणों का उपचार दिया गया, क्योंकि इस वायरस का कोई विशेष इलाज नहीं है। बच्ची को पांच दिनों बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया।
इस बीच, बीएमसी स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि उन्हें इस मामले की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है, लेकिन उन्होंने इन्फ्लूएंजा और गंभीर श्वसन संक्रमण की निगरानी बढ़ा दी है। डॉक्टर का कहना है की एचएमपीवी दशकों से मौजूद है और मुख्य रूप से बच्चों और बुजुर्गों को

प्रभावित करता है, लेकिन यह कोविड जैसी महामारी का कारण बनने की संभावना नहीं है।
भारत में अब तक मिल चुके हैं 9 केस: बता दें कि भारत में अभी तक एचएमपीवी वायरस के कुल 9 मामले सामने आये हैं। पहला और दूसरा मरीज कर्नाटक का, तीसरा गुजरात का, चौथा पश्चिम बंगाल, पांचवा और छठा तमिलनाडु के चेन्नई का और सातवां और आठवां मरीज नागपुर में संक्रमित पाया गया है। 9वां मरीज मुंबई में संक्रमित मिला।

अपने गाल के बारे में कुछ नहीं कहा...

प्रियंका गांधी ने हंसते-हंसते रमेश बिधुड़ी को सिखा दिया सबक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी के गाल वाले बयान पर आखिरकार कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने अपनी चुप्पी तोड़ दी है। प्रियंका ने इस दौरान तंज कसते हुए कहा कि बिधूड़ी अपने गालों की भी बात कर लेते। उन्होंने रमेश बिधूड़ी के बयान को फिजूल बताया।
बता दें कि भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने पिछले दिनों कहा था कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस नेता 'प्रियंका गांधी के गालों' जैसी सड़कें बनवाएंगे। इस बयान से दिल्ली के साथ-साथ देश का सियासी पारा भी चढ़ा हुआ है। हालांकि विवाद खड़ा होने के बाद बिधूड़ी ने टिप्पणी को लेकर खेद व्यक्त किया था।
प्रियंका ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए बिधूड़ी द्वारा उनके बारे में की गई टिप्पणी को ''हास्यास्पद'' करार दिया और कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान ऐसे अप्रासंगिक विषयों के बजाय महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। संसदीय समिति की बैठक से बाहर निकलते समय प्रियंका

हंसने लगी और कटाक्ष किया, ''उन्होंने (बिधूड़ी) अपने गाल के बारे में कुछ नहीं कहा। यह एक हास्यास्पद टिप्पणी है और यह सब अप्रासंगिक है।
जब उनसे ये पूछा गया कि रमेश ने अपने बयान पर खेद जताया है तो वो बोलीं कि ये सब बेतुकी बातें है। दिल्ली में चुनाव हो रहे हैं। महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने प्रियंका गांधी को लेकर रमेश बिधूड़ी की ओर से की गई विवादित टिप्पणी पर मंगलवार को कहा था कि महिलाओं के बारे में 'गंदी टिप्पणियां' नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, यदि कोई यह करता है, तो वह शर्मनाक है और उसकी भर्त्सना की जानी चाहिए। उन्होंने आगाह किया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में यदि किसी ने महिलाओं पर टिप्पणी करते हुए हद पार की, तो मामला दर्ज कराया जाएगा।

धोती-कुर्ते में खेला जा रहा क्रिकेट, संस्कृत में कमेंट्री

भोपाल में सनातनी अंदाज में क्रिकेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत समेत पूरी दुनिया में बड़ी संख्या में क्रिकेट के फैंस मौजूद हैं। आम तौर पर क्रिकेट को अंग्रेजो का खेल कहा जाता है। हालांकि, मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में संस्कृत भाषा में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन कराया जा रहा है। आपको जान कर हैरानी होगी कि इस टूर्नामेंट में भाग ले रही टीमों के खिलाड़ धोती कुर्ते में क्रिकेट खेल रहे हैं। आइए जानते हैं इस अनोखे क्रिकेट क्रिकेट के बाके में खास बातें।
राजधानी भोपाल में संस्कृत भाषा में क्रिकेट खेलने के लिए मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों से धोती कुर्ता पहने संस्कृत भाषा के पंडितों की 16 टीमें शामिल हो रही हैं। जेंटलमेन गेम क्रिकेट अब सनातनी अंदाज में धोती कुर्ते में खेला जा रहा है। कॉमेंटेटर संस्कृत भाषा में मैच की कॉमेंट्री कर रहे हैं। दर्शक भी धोती कुर्ता पहने संस्कृत में ही खिलाड़ियों

का मनोबल बढ़ा रहे हैं।
फुटबॉल, हॉकी भी संस्कृत में होगा: 6 से 9 जनवरी तक होने वाला ये आयोजन संस्कृत क्रिकेट टूर्नामेंट का पांचवा संस्करण है। बल्लेबाज को वल्लक, बॉलर गेंदक, पिच को क्षिप्या, बाल को कुंदुकम, विकेटकीपर को स्तोभरक्षक, छक्के को षठकम, चौक को चतुष्कम, रन को धावनम और फील्डर को क्षेत्ररक्षक नाम दिए जा गए हैं। आयोजकों के मुताबिक जल्द ही फुटबॉल, हॉकी भी संस्कृत में कराया जाएगा। अभी महिला खो खो संस्कृत में कराया जाएगा।
क्रिकेट को संस्कृत में क्या कहते हैं: दरअसल, क्रिकेट को संस्कृत भाषा में कंदुकक्रीड़ा कहते हैं। बल्ले को संस्कृत में वैट कहते हैं। गेंद को संस्कृत में कंदुकम् कहते हैं। विकेट कीपर को संस्कृत में स्तोभरक्षकः कहते हैं। शॉर्ट पिच को संस्कृत में अवक्षिप्तम् कहते हैं। कैच आउट को संस्कृत में गृहीतः कहते हैं। वाइड बाल को संस्कृत में अपकंदुकम् कहते हैं। नो बॉल को संस्कृत में नोकन्दुकम् कहते हैं। वहीं, जोरदार चौके को संस्कृत में सिद्ध चतुष्कम् कहते हैं।

भांजी ने भागकर शादी की तो गुस्साए मामा ने रिसेप्शन के खाने में मिलाया जहर

कोल्हापुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कोल्हापुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक लड़की ने भागकर शादी कर ली तो गुस्साए मामा ने रिसेप्शन के खाने में जहर मिला दिया। जैसे ही इस बात का पता मेहमानों को लगा तो खलबली मच गई। भांजी ने घरवालों की मर्जी के खिलाफ भागकर लव मैरिज की थी। इस बात से गुस्साए मामा ने भांजी की शादी के रिसेप्शन के खाने में जहर मिला दिया। मामा ने खाना बनाने वालों के सामने ही खाने में जहर मिलाया। खाना बनाने वाले ने मामा को रोकने की कोशिश भी की लेकिन मामा ने उसके साथ हाथापाई की और जहर की बोतल खाने के बर्तनों में मिलाकर फरार हो गया। ये अजीब घटना कोल्हापुर जिले के उत्रे नामक देहात में घटी है, जिससे शादी की दावत में आए मेहमानों में खलबली मच गई। मामा की पहचान महेश जोतीराम पाटिल के रूप में हुई है। बता दें कि लड़की ने घरवालों और मामा की मर्जी के खिलाफ जाकर घर से भागकर गांव के ही एक लड़के के साथ लव मैरिज की थी। दरअसल शादी के बाद लड़के के मां-पिता ने इस शादी को मंजूरी देते हुए स्वागत समारोह का आयोजन किया था और अपने रिश्तेदारों को दावत दी थी। आज सुबह से दावत पर आए रिश्तेदार वर-वधू को आशीर्वाद देने में लगे हुए थे, उधर शादी के मंडप के बाहर खाने के व्यंजन बनाने का काम जारी था।

महाकुंभ में साधुओं के चिलम पीने पर स्वामी रामदेव ने दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। आजकल प्रयागराज संगम का नजारा कुछ और ही है। हिंदुओं के सबसे बड़ा पर्व महाकुंभ 13 जनवरी से यहां शुरू होने जा रहा है। अब वो दिन दूर नहीं, जब

● 'चिलम पीना सनातन धर्म नहीं है, ये मैं प्रमाणिकता से कह रहा हूं'

संगम तट पर बड़े-बड़े तंबू, नागा साधुओं का रेला, चिलम सुलगाते बाबा और जटाएं लहराते हुए डुबकी लगाते संत देखने को मिलेंगे। किसी भी कुंभ या महाकुंभ में अक्सर देखने को मिलता है कि वहां लाखों की संख्या में नागा साधू आते हैं और चिलम सुलगाते दिखते हैं लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर महाकुंभ में साधु चिलम क्यों पीते हैं, क्या उनको चिलम पीना चाहिए या नहीं?
इस सवाल के जवाब में योग गुरु स्वामी रामदेव ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'मैंने पिछले बार के भी प्रयागराज कुंभ में चिलम दान अभियान शुरू करवाया था। तब मैंने नागा साधुओं, वैरागियों, संन्यासियों के पास जाकर कहा था कि आप चिलम हमको दे दीजिए। आप ये जो चिलम उठाते हो और विदेशी लोग इसकी फोटो खींचकर पूरी दुनिया में वायरल करते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'चिलम पीना सनातन धर्म नहीं है, ये मैं प्रमाणिकता से कह रहा हूं। हमारे सभी संन्यासियों को भी इस बात को कहना चाहिए। जितने भी हमारे अखाड़ों के आचार्य हैं, महामंडलेश्वर हैं, उन्हें अपने-अपने अखाड़ें में जिम्मेदारी लेनी चाहिए कि मेरे साधु चिलम नहीं पिएंगे।'

प्रयागराज में हो रहे सबसे बड़े धार्मिक त्योहार महाकुंभ को लेकर इंडिया टीवी आपके लिए स्पेशल शो सत्य सनातन कॉन्क्लेव लेकर आया है। इस शो में योग गुरु स्वामी रामदेव भी शामिल हुए थे। इस मौके पर उन्होंने सनातन को लेकर विस्तृत चर्चा की।
यहां आपको बता दें कि पिछली बार प्रयागराज कुंभ के मौके पर योगगुरु बाबा रामदेव नागा साधुओं और संतों के बीच समय बिता रहे थे। इतना ही नहीं, वह उनसे कुछ दान में भी मांग रहे थे और यह दान था नशे का। बाबा रामदेव कुंभ में नशामुक्ति अभियान लेकर चले थे और साधु-संतों से निवेदन कर रहे थे कि वे चिलम वगैरह न पिएं और धूम्रपान न करें। रामदेव साधु-संतों और नागाओं को जागरूक करते हुए उनसे धूम्रपान न करने की अपील भी कर रहे थे। उन्होंने बाबाओं से चिलम आदि दानस्वरूप मांगी थी और उनके निवेदन को स्वीकार करते हुए कई संतों व नागाओं ने अपनी चिलम सहर्ष उन्हें सौंप दी थी।

साल के पहले मंगलवार खेड़ापति मंदिर में विशेष आयोजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नए साल 2025 का पहला मंगलवार हनुमान भक्तों के लिए खास रहा। राजधानी में स्थित हनुमान मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। खेड़ापति भक्त मंडल ने छोला मंदिर में हनुमान जी की 12 फीट ऊंची प्रतिमा विराजमान कर भजन संध्या आयोजित की। इसमें इंडियन आइडल फेम गायिका वैशाली रायकवार, भोपाल के भजन गायक अनिमेष शाक्य और चेतन शर्मा ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर समा बांधा। गायकों ने श्रीराम और हनुमान भजनों से भक्ति रस बरसाया। तेज सर्दी के बावजूद हजारों श्रद्धालुओं ने महाआरती में भाग लिया। मंत्रोच्चार और पुष्प वर्षा के बीच भक्त थिरकते नजर आए। आयोजन समिति के विकास चौरसिया और अनिल रजक ने बताया कि यह उनका सातवां आयोजन था। हर साल जनवरी के पहले मंगलवार को भजन संध्या और महाआरती आयोजित की जाती है। इसके लिए हनुमान जी की नई प्रतिमा बनवाई जाती है। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री विश्वास कैलाश सारंग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे, वहीं आयोजन समिति के सदस्य अनिल रजक, विकास चौरसिया, राहुल साहू, अजय यादव, अनूप मेघानी, आशीष प्रताप सिंह, आशु साहू एवं छोला धाम भक्त मंडल के अन्य सदस्थ भी मौजूद रहे ।

मप्र अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा का ऐलान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पदोन्नति शुरू करने, पुरानी पेंशन बहाली, लिपिकों को राज्य मंत्रालय के समान ग्रेड-पे सहित अन्य मांगों को लेकर मध्य प्रदेश अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा 16 जनवरी को प्रदेश के सभी जिलों में मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपेगा। मोर्चा के अध्यक्ष एमपी द्विवेदी का कहना है कि जब तक सरकार मांगें पूरी नहीं करती है, आंदोलन जारी रहेगा और दिन-ब-दिन जोर पकड़ेगा। द्विवेदी ने बताया कि 16 जनवरी को सभी जिलों में कर्मचारी प्रदर्शन करेंगे और मुख्यमंत्री-मुख्य सचिव के नाम 48 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे। वे कहते हैं कि यह आंदोलन यहीं रुकने वाला नहीं है। इसके बाद क्षेत्रीय विधायक और सांसद को ज्ञापन सौंपे जाएंगे। ताकि वे मुख्यमंत्री तक कर्मचारियों की मांगें पहुंचाएं। आंदोलन के कई चरण होंगे, जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे अगले चरण की घोषणा करते जाएंगे। द्विवेदी बताते हैं कि अपने प्रति सरकार के रवैये से प्रदेश का कर्मचारी दुखी है और हर हाल में आंदोलन करना चाहता है। हम उचित अवसर आने पर बड़े आंदोलन का ऐलान करेंगे।

शिक्षक कांग्रेस की शैक्षिक संगोष्ठी बड़ा मलहरा में 19 को

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस 19 जनवरी को सरकारी हाईस्कूल महाराजगंज, बड़ा मलहरा जिला छतरपुर में शैक्षिक संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है। जिसमें प्रदेश में शिक्षकों की मांगों और समस्याओं के साथ आंदोलन पर चर्चा की जाएगी। संगोष्ठी में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सतीश शर्मा, सागर संभाग के अध्यक्ष महेंद्र दीक्षित,छतरपुर के जिला अध्यक्ष महेश व्यास सहित सागर संभाग और छतरपुर जिले के संगठन के पदाधिकारी-शिक्षक शामिल होंगे। प्रदेशाध्यक्ष सतीश शर्मा ने बताया कि संगोष्ठी में क्षेत्रीय विधायक रामसिया भारती मुख्य अतिथि, शिक्षक कांग्रेस के पूर्व प्रांताध्यक्ष एवं शिक्षाविद रमाकांत द्विवेदी, पूर्व कार्यकारी प्रांताध्यक्ष एवं शिक्षाविद बालकृष्ण शर्मा एवं पूर्व कार्यकारी प्रांताध्यक्ष शिक्षाविद एनडी वैष्णव की उपस्थित रहेंगे। संगोष्ठी में शिक्षक,शिक्षाविद स्वयं के अनुभव साझा करेंगे। मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के अशोक प्रताप सिंह, अनीता सारस्वत, धर्मेंद्र सिंह परमार, हरीश नामदेव, सुनील मिश्रा, दीपेंद्र कुशवाहा, राजेश राजावत, हेमराज राणा, मोहन गौतम, पंकज सिंघवी, शकुंतला तोमर, नलिनी शाक्य, नरेंद्र सिंह तोमर, कौशल शर्मा, राम रतन सिंह, संजय माछीवाल, निर्भय सिंह परिहार, धर्मेंद्र सिंह रघुवंशी, अंबरीश शर्मा, सुरेश शर्मा, दुर्गेश शर्मा, कमल सिंह, बालू सिंह, डीडी पवार, मनोज मैहर, राजेश नामदेव, राकेश चौहान, संदीप श्रीवास्तव, सुरेश तोमर, ताज मोहम्मद, हारून अख्तर आदि सभी पदाधिकारी एवं शिक्षकों ने शैक्षिक संगोष्ठी में उपस्थित होने की अपील की है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल में क्षेत्रीय रूपक महोत्सव आज से

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में कल से क्षेत्रीय रूपक महोत्सव का शुभारंभ होने जा रहा है। 9 और 10 जनवरी को होने वाले दो दिवसीय महोत्सव में देश भर के संस्कृत महाविद्यालयों के प्रतिनिधि नाट्य दल संस्कृत में लिखे गए लोक जीवन से जुड़े रूपकों की शानदार प्रस्तुतियां देंगे। महोत्सव का उद्घाटन संस्कृत विद्वान आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी के करकमलों से होगा। जबकि आचार्य सदाशिवकुमार द्विवेदी, निदेशक (भारत अध्ययन केंद्र, क्रा।) और प्रो. नीलाभ तिवारी की उपस्थिति आयोजन को और भी गरिमामय बनाएगी। इस महोत्सव में हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश और अन्य राज्यों के संस्कृत महाविद्यालयों के छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले रूपकों में मंत्रदानम, मंजुला, महादानम, विकसतु एषा कलिका, महिमयभारतं जैसे नाटक शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, ध्रुपद गायन और नाट्यशास्त्र पर आधारित विशेष प्रस्तुतियाँ भी महोत्सव में शामिल की जाएंगी। महोत्सव की अध्यक्षता प्रो. रमाकान्त पाण्डेय, निदेशक भोपाल परिसर करेंगे।

विश्वविद्यालय क्षेत्रीय संसाधनों और परिवेश की संभावनाओं को पहचाने : राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय की व्यवस्थाओं में उच्च गुणवत्ता को लक्ष्य बनाए। लक्ष्य और प्राप्ति के प्रयासों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विश्वविद्यालयों को पर्याप्त स्वायत्ता दी गई है। जरूरी है कि कुलगुरू अपनी क्षमताओं, विश्वविद्यालय के संसाधनों और आस-पास के परिवेश के अनुसार विकास की संभावनाओं की पहचान करें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में अपने सीमित दायरे से बाहर निकलें। वर्तमान की मांग और भविष्य की संभावनाओं पर कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि टॉस्क फोर्स बना कर समय-सीमा में सभी विश्वविद्यालयों की कार्ययोजना तैयार कराई जाए।

राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को राजभवन में आयोजित शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलगुरूओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल और पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल भी मौजूद थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कुलगुरूओं से कहा है कि विद्यार्थी कल्याण के विषयों के प्रति

संवेदनशील रहें। अभिभावक अपने बच्चें सरकार के भरोसे पर शासकीय विश्वविद्यालयों में भेजते हैं। उनकी देख-भाल पालक के दृष्टिकोण के साथ की जाए। उन्होंने कहा कि कुलगुरू नियमित आधार पर छात्रावास, मेस, खेल सुविधाओं और कक्षाओं का नियमित निरीक्षण भी करें।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्रीय स्तर पर रोजगार की सम्भावनाओं को बढ़ाने वाले पाठ्यक्रमों पर फोकस करें। डिग्री, डिप्लोमा के साथ ही मांग आधारित पाठ्यक्रम भी प्रारम्भ किये जाएं। स्थानीय उद्योगों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की आवश्यकताओं के अनुसार मानव संसाधन की उपलब्धता के रोजगार लिए संबद्ध विषयों के अध्ययन की व्यवस्था भी की जानी चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय में खेल सुविधाओं की उपलब्धता और उनके उन्नयन के लिए भी विशेष प्रयास करने की जरूरत बताई। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि रेडक्रास की गतिविधियों में विद्यार्थियों की अधिकाधिक सहभागिता की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय बहु विषयक आत्मनिर्भर विश्वविद्यालय बनें।

परम्परागत विषयों के साथ ही मांग आधारित और रोजगार की उच्च संभावनाओं वाले कोर्स प्रारंभ करने विशेष प्रयास करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रदान स्वायत्ता के आधार पर व्यवस्थाओं को सुचारू बनाएं। विद्यार्थियों को प्रवेश की सुविधा, उत्कृष्ट शिक्षा, समय पर परीक्षा और तत्काल परिणाम घोषणा के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाए। परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के ऑनलाइन मूल्यांकन की व्यवस्था को बढ़ावा दें। इसी तरह प्रवेश के समय ही अंकसूची और डिग्री वितरण के लिए आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा किया जाए, जिससे विद्यार्थियों के डीजी लॉकर में उनकी त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित हो।

ट्रांसमिशन लाइन की ट्रिपिंग रोकने करें समुचित कार्यवाही-ऊर्जा मंत्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि ट्रांसमिशन लाइनों में होने वाली ट्रिपिंग को रोकने के लिये समुचित कार्य-योजना बनाकर कार्यवाही करें। मंत्री श्री तोमर ने विद्युत ट्रांसमिशन कम्पनी द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा कर समय-सीमा में सभी कार्य पूरा करने के निर्देश दिये।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने पश्चिम मध्य रेलवे भोपाल द्वारा ब्यावरा-भोपाल के मध्य रामगंज मण्डी से भोपाल तक नई रेलवे लाइन निर्माण के कारण विभिन्न 220 और 132 के.व्ही. लाइनों के विस्थापन कार्य की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कार्य समय-सीमा में करें, जिससे रेलवे के कार्य में बाधा नहीं आये। मेट्रो रेल कार्य भोपाल और इंदौर के कारण मौजूदा लाइनों के मार्ग परिवर्तन के संबंध में भी चर्चा की।

मंत्री श्री तोमर ने विभिन्न योजनाओं में प्रस्तावित कार्यों की भी समीक्षा की।

बैठक में एमडी ट्रांसको श्री सुनील तिवारी ने बताया कि अति उच्च दाब लाइनों में होने वाली ट्रिपिंग को कम करने के लिये डिस्क इंसुलेटर बदलने और टॉवरों पर अतिरिक्त अर्थिंग का कार्य करने के साथ ही टॉवरों में वर्ष-2025 में लगभग 40 हजार बर्ड गार्ड और मंकी गार्ड लगाने का लक्ष्य है। जनवरी-2024 से दिसम्बर-2024 तक 23 हजार 59 बर्ड गार्ड लगाये जा चुके हैं।

वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ के लिये पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी द्वारा लगभग 700 एमवीए की अधिकतम माँग अनुमानित की गयी है। इसकी पूर्ति के लिये 185 करोड़ के ट्रांसमिशन कार्य प्रस्तावित किये गये हैं।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में पक्षी अवलोकन एवं नेचर कैम्प का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड के सहयोग से छात्र-छात्राओं में वन, वन्यप्राणियों एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने की दृष्टि से भोपाल शहर एवं उसके आस-पास के ग्रामों के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिये एक दिवसीय पक्षी अवलोकन एवं नेचर कैम्प आयोजित किये जा रहे हैं। शासकीय माध्यमिक विद्यालय गोंदरमऊ गांधीनगर, भोपाल के 61 छात्र-छात्राओं एवं 6 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उक्त पक्षी अवलोकन एवं नेचर कैम्प में भाग लिया। कार्यक्रम में स्रोत व्यक्ति के रूप में डॉ. एस. आर. वाघमारे, से.नि. उप वनसंरक्षक एवं श्री विजय नंदवंशी उपस्थित रहे।

विषय-विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को पक्षी दर्शन, तितली, वन्यप्राणी दर्शन, स्थल पर विद्यमान वानिकी गतिविधियों की जानकारी, वन, वन्यप्राणी एवं पर्यावरण से संबंधित रोचक गतिविधियों कराई गई एवं सर्पों के बारे में जानकारी प्रदान कर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया गया।

नेचर कैम्प में बाघ, तेंदुआ. भालू, मगर, घड़ियाल, चीतल, सांभर, नीलगाय आदि वन्यप्राणियों का भी अवलोकन किया। साथ ही किंग फिशर, ओपन बिल स्टॉर्क, वुलीनेक स्टॉर्क, कार्पोरेंट, जकाना, कूट, आदि पक्षी दिखे एवं नीडम क्षेत्र में कृत्रिम घोंसले तथा पक्षियों के पुतले भी देखे। इस अवसर पर मिशन लाइफ अंतर्गत पर्यावरण को बचाने के लिये उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा शपथ भी ली गई एवं विशेषज्ञों द्वारा मिशन लाइफ के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

भोपाल में राज्यस्तरीय युवा महोत्वस का समापन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव टोपे स्टेडियम स्थित बेडमिंटन हॉल में आयोजित 28वें राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सर्वप्रथम पेंटिंग और विज्ञान मेले के विजेताओं की प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगें। तत्पश्चात विजेता युवा कलाकार समूह लोकगीत और समूह लोकनृत्य की प्रस्तुतियों का अवलोकन करेंगें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विकसित भारतञ्च 2047 कार्यक्रम के तहत विभिन्न स्तरों पर आयोजित प्रतियोगिताओं में से चयनित 45 युवाओं से संवाद किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से चयनित 45 युवा भारत मंडपम दिल्ली में 11 एवं 12 जनवरी को

विकसित भारत के निर्माण में अपने दृष्टिकोण और विचार सांझा करेंगें।

राज्य स्तरीय युवा महोत्सव प्रतियोगिता में भाषण में ग्वालियर, कहानी लेखन में रीवा पेंटिंग में जबलपुर, कविता लेखन में मुरैना, विज्ञान मेला में जबलपुर, समूह लोकगीत में सागर, समूह लोकनृत्य में ग्वालियर संभाग बना, विजेता युवा कलाकार मुख्यमंत्री के समक्ष देंगें कला प्रस्तुति। इस वर्ष युवा उत्सव का आयोजन में संभागों के 350 प्रतिभागियों ने कुल 07 विधाओं यथा समूह लोक गीत, समूह लोक गायन, पेंटिंग, भाषण, विज्ञान मेला, कहानी लेखन एवं कविता लेखन में प्रतिभागिता की। युवा उत्सव में जिला स्तर पर दिनांक 18 से 26 दिसम्बर 2024 तक 10500 युवा प्रतिभागी संभागीय एवं जिला स्तरीय 3 से 5 जनवरी 2025 तक 1700 युवाओं ने प्रतिभागिता की थी। राज्य स्तर से चयनित प्रदेश का दल रविवार 12 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित जनवरी 2025 को तात्याटोपे स्टेडियम में आयोजित की गई थी जिसके परिणाम घोषित कर दिये गये है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि बुधवार को 1 बजे तात्याटोपे स्टेडियम स्थित बैडमिंटन हॉल में आयोजित राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के समापन कार्यक्रम में सभी को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 28वें राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का समापन होगा।

बांधवगढ़ बनेगा स्वच्छ पर्यटन स्थल -राज्य मंत्री लोधी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान को स्वच्छ पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने और आस-पास के क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड, स्वच्छ भारत मिशन और साहस संस्था के बीच एमओयू हस्ताक्षर किया गया। पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी की उपस्थिति में एमपी टूरिज्म बोर्ड की ओर से प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक एमपी टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला, स्वच्छ भारत मिशन की ओर से मिशन संचालक श्री दिनेश जैन, कोका कोला फाउंडेशन की ओर से डायरेक्टर श्री राजीव गुप्ता और साहस संस्था की ओर से प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री राजबीर सिंह द्वारा एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। राज्य मंत्री श्री लोधी ने कहा कि प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशन से बांधवगढ़ एक स्वच्छ पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा। पर्यटकों को वन्य जीव के रोमांचक अनुभव के साथ एक स्वच्छ और सुंदर माहौल मिलेगा। राज्य मंत्री श्री लोधी ने एमओयू की बधाई और परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए शुभकामनाएं दी। प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशन के अंतर्गत कोका कोला फाउंडेशन के सहयोग से बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान के आस-पास के क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने की पहल की जा रही है। बांधवगढ़ में होटल्स, रिजॉर्ट और आस-पास की 7 ग्राम पंचायतों में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, पर्यावरण हितैषी और स्वच्छता संबंधी जागरूकता विकसित की जाएगी। इसके लिए ग्राम पंचायत में आवश्यक स्टोरेज सेंटर, एमआरएफ, वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट, वेस्ट मॉनिटरिंग और मैनेजमेंट टूल आदि का विकास किया जाएगा।वर्ष 2022 में प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशन के तहत जिला पन्ना में पन्ना राष्ट्रीय उद्यान के आस पास 30 ग्रामों में स्वच्छता बनाए रखने की अभिनव पहल की गई थी।

भोपाल को यूनेस्को की साहित्य नगरी के रूप में मिलेगी वैश्विक पहचान - राज्य मंत्री लोधी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा है कि समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और नैसर्गिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध भोपाल को यूनेस्को में विश्व की साहित्य नगरी के रूप में पहचान दिलाई जाएगी। भोपाल को साहित्य सृजन, संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में वैश्विक पहचान मिलेगी। राज्य मंत्री श्री लोधी, मुल्ला रमूजी संस्कृति भवन में यूनेस्को की क्रिएटिव सिटी नेटवर्क में भोपाल को साहित्य के क्षेत्र में नामित करने के प्रस्ताव पर हितधारक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। राज्य मंत्री श्री लोधी ने कहा कि इससे भोपाल के साहित्य और साहित्यकारों को वैश्विक मंच मिलेगा। साथ ही भोपाल के शैक्षणिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास को गति मिलेगी।

महापौर भोपाल श्रीमती मालती राय ने भोपाल को साहित्य के क्षेत्र में नामित किए जाने के लिए एप्लीकेशन और डिक्लेरेशन पर हस्ताक्षर किए। महापौर श्रीमती राय ने कहा कि यूनेस्को द्वारा भोपाल को साहित्य नगरी घोषित किए जाने के हर संभव प्रयास किए जायेंगे। इस उपलब्धि से भोपाल शहर का गौरव बढ़ेगा। आने वाले समय में भोपाल विश्व का साहित्यिक और सांस्कृतिक केंद्र बनेगा। प्रमुख सचिव संस्कृति, पर्यटन और प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि यूनेस्को की क्रिएटिव सिटी नेटवर्क में भोपाल को साहित्य के क्षेत्र में नामित करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे भोपाल की साहित्यिक विरासत दुनिया के सामने आयेगी। यूनेस्को ने साहित्य के क्षेत्र में 39 देशों के 53 शहरों को क्रिएटिव सिटी नेटवर्क में शामिल किया है। पिछले वर्ष केरल के कोझिकोड शहर को यूनेस्को ने साहित्य के क्षेत्र में शामिल किया था। भोपाल को देश का दूसरा शहर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्वालियर को यूनेस्को द्वारा म्यूजिक सिटी का दर्जा दिए जाने के बाद से ग्वालियर में युवाओं में संगीत के प्रति रुझान बढ़ा है। इसी तरह भोपाल को साहित्य नगरी का दर्जा मिलने के साथ ही युवा भी साहित्य सृजन और पठन के प्रति आकर्षित होंगें। भोपाल को यूनेस्को की क्रिएटिव सिटी नेटवर्क में शामिल किए जाने के डोजियर को मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा तैयार किया गया है। इसे संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार को भेजा जा रहा है। संस्कृति मंत्रालय द्वारा अनुमोदित होने पर डोजियर यूनेस्को को मूल्यांकन के लिए प्रेषित किया जाएगा।

संगोष्ठी में हितधारकों को यूनेस्को के क्रिएटिव सिटी नेटवर्क की जानकारी देते हुए बताया गया कि यूनेस्को द्वारा शहरों को 7 श्रेणियों में मान्यता दी जाती है। इसमें शिल्प और लोक कला, रचना, फिल्म, पाक कला, साहित्य, संगीत और मीडिया आर्ट शामिल है। महाराजा भोज के द्वारा 1010 ईसवी में साहित्य सृजन से शुरू हुई स्वर्णिम विरासत भोपाल को साहित्य सृजन और संरक्षण के क्षेत्र में विशेष बनाती हैं। हिंदी के साथ साथ उर्दू, सिंधी, पंजाबी आदि भाषाओं में साहित्यकारों द्वारा भोपाल में साहित्य सृजन किया गया है। भोपाल में संस्कृति विभाग द्वारा 150 से ज्यादा सांस्कृतिक और साहित्यिक आयोजन और भारत भवन द्वारा 20 से अधिक वार्षिक आयोजन किए जाते हैं।

वैद्यों के परम्परागत ज्ञान को सहेजने की आवश्यकता-आयुष मंत्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि वैद्यों के परम्परागत ज्ञान को, शोध के आधार पर युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में दस्तावेजीकरण करने की आवश्यकता है। इसके लिए प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों सहित समस्त क्षेत्रों में पीढ़ी दर पीढ़ी कार्य कर रहे पारम्परिक वैद्यों का, प्रदेशव्यापी पंजीयन कर उनके ज्ञान को सहेजने के लिए आवश्यक कार्य योजना बनाएं। मंत्री श्री परमार मंगलवार को मंत्रालय में आयुष विभाग की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में प्रमुख सचिव आयुष श्री डी.पी. आहूजा, आयुक्त आयुष श्रीमति उमा आर. माहेश्वरी और अपर सचिव आयुष श्री संजय कुमार मिश्र सहित विभिन्न अधिकारीगण शामिल थे।

आयुष मंत्री श्री परमार ने विभाग के अंतर्गत संचालित संस्थाओं में मानव संसाधनों की जानकारी प्राप्त कर, रिक्त पदों की पूर्ति प्रक्रिया नियत समयावधि पर पूर्ण करने को कहा। उन्होंने अनुकम्पा नियुक्ति सम्बंधी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश भी दिए। लोक सेवकों की सीआर ऑनलाइन करने, विभागीय जांच एवं न्यायालयीन प्रकरणों को यथाशीघ्र निराकरण करने को कहा। श्री परमार ने कहा कि निजी आयुष महाविद्यालयों के शिक्षण शुल्क का पारदर्शितापूर्व पूर्ननिर्धारण कर ताकि विद्यार्थियों को प्रवेश के समय कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। मंत्री श्री परमार ने आयुष महाविद्यालयों में शैक्षणिक एवं अकादमिक कैलेंडर का दृढ़ता से पालन करने के लिए और विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं के परीक्षण के लिए व्यापक कार्य योजना के साथ क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग अंतर्गत संचालित संस्थाओं की गुणवत्ता वृद्धि के लिए संसाधनों की पूर्ति, निर्माण एवं सुधार कार्यों के लिए वास्तविक आवश्यकता अनुरूप उपलब्ध बजट का उपयोग सुनिश्चित करें। मंत्री ने कहा कि निर्माण एजेंसी के साथ नियमित बैठक कर विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करें। आयुष मंत्री श्री परमार ने राष्ट्रीय आयुष मिशन अंतर्गत किए जा रहे निर्माण कार्यों की सराहना भी की। उन्होंने यूनानी फार्मेसी भोपाल एवं आयुर्वेद फार्मेसी ग्वालियर की क्षमता वृद्धि के लिए मानव संसाधन, भवन उन्नयन, उपकरण एवं मशीनरी आदि की उपलब्धता नियत समयावधि पर सुनिश्चित करने को कहा।

युवक की मौत पर हंगामा,पुलिस ने बिना सूचना दिए शव घर भिजवाया

परिजन बोले- टीआई ने सबूत मिटाने घटनास्थल पर मिट्टी डलवाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले में मंगलवार रात करीब 2:00 बजे नौढ़िया गांव में एक रेत खदान से सटे हुए खेत के पास एक युवक का शव मिला है।

परिजनों ने थाना प्रभारी से शेषमणि पटेल पर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस ने उन्हें घटना की कोई भी जानकारी दिए बिना सीधे शव को घर भेज दिया। इसको लेकर बुधवार सुबह से सारी थाने में हंगामा चल रहा है। परिजन शव लेकर थाने के सामने पहुंच गए और सड़क पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

परिजन ने पुलिस पर सबूत मिटाने के आरोप लगाए: परिजनों ने सीधा आरोप सरई थाना प्रभारी शेषमणि पटेल के पर लगाया है कि उन्होंने घटना स्थल से साक्ष्य मिटाने का काम किया हैं। इसका अब वीडियो भी सामने आया है। जिसमें एक महिला टीआई से कह रही है, आपने घटनास्थल पर मिट्टी को डलवाई?

थाना प्रभारी बोले- मेरे ऊपर लगे सारे आरोप गलत: सरई थाना प्रभारी शेषमणि पटेल ने दैनिक भास्कर से बातचीत में बताया कि मेरे ऊपर लगे सारे आरोप गलत हैं। रेत के अवैध उत्खनन मामले पर उनका कहना है कि ऐसा नहीं है कि थाना इलाके में रेत नहीं है और जिस जगह युवक की मौत हुई है। वहां भी रेत है लेकिन अवैध उत्खनन जैसी कोई बात नहीं है।

लोग बोले- पुलिस के संरक्षण में होता है रेत खनन: स्थानीय लोगों का आरोप है की सरई थाना पुलिस के संरक्षण में इलाके में रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन लगातार जारी है। शिकायत के बाद भी पुलिस अवैध कारोबारी पर कोई कार्रवाई नहीं करती। नाम न पब्लिश की शर्त पर पुलिस विभाग के एक कर्मचारी ने बताया कि नौढ़िया गांव और उसके आसपास से रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन होता है। जिसमें थाना प्रभारी से लेकर के कई पुलिसकर्मी संलिप्त हैं। रेत का अवैध खनन को छुपाने के लिए इस घटना को दूसरा एंगल दिया जा रहा है।

इस घटनाक्रम पर खड़े हो रहे कई सवाल: रामकमल पांडे जिनकी बीती रात तकरीबन 2:00 बजे नौढ़िया गांव में एक रेत खदान से सटे हुए खेत के पास शव मिला है। पुलिस ने आनन-फानन में बिना परिजनों को सूचना दिए ही मृतक के ही ट्रैक्टर में डेड बॉडी रखवाकर उनके घर भेज दी। इससे कई सवाल खड़े होने लगे हैं। सवाल यह है कि जब यह संदिग्ध मौत थी तो शव को हॉस्पिटल भिजवाने के बजाय घर क्यों भिजवाया? शव को उठाने से पहले परिजनों को क्यों नहीं बुलाया गया जिस ड्राइवर से शव को घर भेजवाया गया अब उससे पुलिस क्या पूछताछ कर रही है पुलिस शव को घर भिजवाने में जल्दबाजी क्योंकि। यह सवाल खड़े हो रहे हैं।

एसडीओपी बोले- संभवत करंट लगने से युवक की मौत हुई: देवसर एसडीओपी राहुल संयाम ने कहा कि एक युवक की मौत की जानकारी सामने आई है। मैं सरई पहुंच गया हूं और पूरे मामले को देख रहा हूं। प्राथमिक रूप से अभी ऐसा लग रहा है कि जैसे युवक के एक पैर में करंट का झटका लगा है और संभवत इस वजह से उसकी मौत हुई होगी।

जबकि एसडीओपी से जब इस मामले में सवाल किया गया कि आखिर 2:00 बजे रात को मृतक घटनास्थल पर कैसे गया और क्यों गया? तो इसका जवाब उनके पास भी नहीं था। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। इसके अलावा उनसे यह भी सवाल हुआ कि क्या यह मामला रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन से जुड़ा हुआ है? तो उन्होंने इस पर भी कहा कि यह एंगल सामने आया है। लेकिन अभी यह भी जांच के दायरे में है।

एसपी ने कहा- जांच के लिए टीम को मौके पर भेजा: एसपी ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। देवसर एसडीओपी को जांच के लिए भेजा गया है। जैसे भी तथ्य आएंगे उसके हिसाब से कार्रवाई की जाएगी।

जनसुनवाई में नहीं आने पर 7 अफसरों पर जुर्माना

कलेक्टर के आदेश पर पांच-पांच हजार रुपए वसूले जाएंगे

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर जिले में होने वाली जनसुनवाई में अधिकांश अधिकारी अनुपस्थित रहते हैं, जिससे शिकायत कर्ताओं को दिक्कतों को सामना करना पड़ता है। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने 7 जनवरी को संयुक्त कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में बिना अनुमति के अनुपस्थित रहने वाले 7 अधिकारियों पर 5-5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

जिला स्तरीय अधिकारियों को संयुक्त कलेक्ट्रेट कार्यालय में उपस्थित रहने एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को संबंधित अनविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालयों में उपस्थित होकर वीसी लिंक के माध्यम से संयुक्त कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई से जुड़ने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके बाद भी 7 जनवरी को जनसुनवाई में सात अधिकारी अनुपस्थित थे, जिन पर कलेक्टर ने जुर्माना लगाया है।

इन अधिकारियों पर कार्रवाई: सीडीपीओ जैतहरी सतीश जैन, खंड शिक्षा अधिकारी जैतहरी शिरीष श्रीवास्तव, खंड चिकित्सा अधिकारी जैतहरी डॉ. मोहन सिंह श्याम, एसएडीओ कृषि जैतहरी रामाधार सिंह मरावी, पशु चिकित्सा अधिकारी जैतहरी डॉ. योगेश चंद्र दीक्षित, वि.वि. केंद्र प्रभारी जैतहरी एवं बीआरसी जैतहरी विष्णु कुमार मिश्रा शामिल हैं।

निर्माण कार्य में शरुआत से ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा ग्रामपंचायत का भवन

मीडिया ऑडीटर, त्योंथर निप्र। लंबे संघर्ष व प्रतीक्षा के बाद माननीय मुख्यमंत्री जी मप्र शासन के निर्देश व कृपा से स्वीकृत हुआ गढ़ी का पंचायत भवन के निर्माण में पंचायती अमले के द्वारा ही घटिया निर्माण करके भ्रष्टाचार किया जा रहा है हासिल जानकारी के मुताबिक उक्त भवन के निर्माण में निर्माण एजेंसी द्वारा नीव से ही निर्धारित मापदण्डों का गला घोटा जा रहा है। 12 यम यम की जगह 10 की व 8 यम यम की जगह 6 यम यम की सरिया बीम में लगाई जा रही है साथ ही हैंड ब्रोकेन छर्री व स्थानीय नदियों का मिट्टीयुक्त घटिया बालू का उपयोग धड़ल्ले से करते हुए निर्माण कार्य कराया जा रहा है जैसे ही गुडवत्ता विहीन निर्माण की भनक अस्वस्थ चल रहे जनपद सदस्य वेदप्रकाश तिवारी को लगी उन्होंने तत्काल जनपद सी ई ओ श्री राहुल पांडेय व सब इंजीनियर मनीष ओझा से गुडवत्ता पूर्ण निर्माण कराने का आग्रह किया।

अस्वस्थ चल रहे जनपद सदस्य श्री तिवारी ने आगे कहा है कि न्याय व जनहित के लिए स्वास्थ्य को भी आड़े नहीं आने देंगे यदि समय रहते जिम्मेदार सरकारी अमले द्वारा मापदण्डों के अनुरुप कार्य सुधार कर नही किया गया तो गढ़ी की जनता को साथ लेकर निर्माण स्थल पर ही आंदोलन व धरना प्रदर्शन किया जाएगा किसी भी हालत में घटिया गिरी बर्दास्त नहीं की जाएगी। आपको बता दें की जनपद सदस्य बनने के तत्काल बाद ही श्री तिवारी ने अपने जनपद पंचायत वार्ड क्रमांक 4 गढ़ी क्षेत्र की पंचायतों क्रमशः गढ़ी ,टंगहा एवम नौबस्ता में पंचायत भवनों के निर्माण को लेकर काफी मुखर व प्रयत्नशील रहे हैं जिसके परिणाम स्वरूप ही जिला पंचायत के 15वें वित्त आयोग मद से शासन द्वारा उक्त भवन के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई थी ।अब देखना होगा की जनपद सदस्य श्री तिवारी द्वारा गुडवत्ता पूर्ण निर्माण की मांग पर शासन प्रशासन समय रहते गम्भीरता दिखाता है या फिर बीमार जनपद सदस्य को आंदोलन की राह का राही ही बनना पड़ेगा आगामी भविष्य जरूर बताएगा।

स्कूटी से हो रही थी गांजे की तस्करी

पुलिस ने महिला सहित 3 को किया गिरफ्तार, ढाई लाख का गांजा बरामद

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। ब्यौहारी पुलिस ने रेलवे तिराहा से तीन लोगों को गांजे की एक बड़ी खेप के साथ गिरफ्तार किया जिसमें एक महिला भी शामिल है। आरोपियों के द्वारा स्कूटी से गांजे की तस्करी की जा रही थी, तभी बुधवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 23 किलो से अधिक मात्रा में मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार स्कूटी क्रमांक एमपी 18 एस 3174 में सवार यशवंत पटेल, पुष्पेंद्र पटेल और राजकुमारी पटेल गांजा लेकर नगर की ओर आ रहे थे, तभी पुलिस को इसकी जानकारी मुखबिर के द्वारा लगी। पुलिस ने रेलवे तिराहा पर नाकाबंदी कर स्कूटी को चारों तरफ से घेर लिया और तीनों आरोपियों को गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से 23 किलो 700 ग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया है । जिसकी कीमत ढाई लाख रुपए से अधिक बताई गई है।

थाना प्रभारी अरुण पांडे ने बताया है कि तीनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट व अन्य धाराओं पर मामला दर्ज किया है। आरोपियों के कब्जे से गांजा के साथ स्कूटी भी जप्त की है । पुलिस यह पता लग रही है कि यह गांजा लाया कहां से गया था, वही रेलवे तिराहा से पुलिस ने इस कार्यवाही को अंजाम दिया है, तो अंदेशा लगाया जा रहा है कि शायद ट्रेन के माध्यम से गांजे की खेप आई थी, हालांकि पुलिस कई पहलुओं में इस मामले पर जांच कर रही है।

बीते कुछ दिनों पहले भी ब्यौहारी पुलिस ने एक घर में दबिश दे कर गांजे की बड़ी खेप जप्त की थी, अब फिर एक बार पुलिस ने बड़ी कार्यवाही की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर यह कार्रवाई थाना प्रभारी अरुण पांडे एवं उनकी टीम के द्वारा की गई है।

निर्माणाधीन भवन का एसडीएम ने किया निरीक्षण

मटेरियल और उसकी गुणवत्ता देखी, काम की जानकारी भी ली

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी के कुसमी उपखंड क्षेत्र अंतर्गत निर्माणाधीन एसडीएम कार्यालय भवन का बुधवार दोपहर 12 बजे कुसमी एसडीएम प्रिया पाठक ने निरीक्षण किया। उनके साथ में पीआईयू के एसडीओ व उपयंत्री मौजूद थे। एसडीएम ने मटेरियल उसकी गुणवत्ता में लापरवाही न हो, इसके संबंध में एसडीओ से बातचीत की है। इसके साथ ही साथ भवन के लिए कितनी जमीन अलॉट है, आसपास कितनी जमीन से बाउंड्रीवॉल बननी है, इस पर जानकारी ली है।

कुसमी एसडीएम कार्यालय भगवार पंचायत के भवन पर करीब 10 साल से संचालित है। भवन के आभाव से कार्यालय की व्यवस्थाएं नहीं हो पा रही थीं, जिसके बाद इस भवन की स्वीकृत हुई है।

निरीक्षण के दौरान कुसमी एसडीएम प्रिया पाठक ने पीआईयू विभाग से सीएम राइज भवन, कन्या छात्रावास भवन व कन्या शिक्षा परिसर तीन अन्य भवन के बारे में भी जानकारी ली। उनके साथ जिला पंचायत सदस्य हीराबाई सिंह, तहसीलदार नारायण सिंह, पटवारी भगवार बद्री सिंह भी मौजूद रहे।

जनपद मुख्यालयों में शिकायत निवारण के लिए मेगा कैंप का आयोजन 15 से

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। शासन द्वारा 27 जनवरी को समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम की तिथि निर्धारित की गई है। शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार 15 जनवरी 2025 को समाधान दिवस के रूप मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिले के सभी जनपद मुख्यालयों में शिकायत निवारण के लिए मेगा कैंप का आयोजन किया जाएगा। समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं खण्डस्तरीय विभागों के सभी अधिकारी इस शिविर मे अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करेंगें।

जारी आदेशानुसार शिविर के सफल आयोजन के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया। खण्ड स्तर पर उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) नोडल अधिकारी के रूप् में जिम्मेदारी निभाएंगे। इसके साथ ही समन्वयक अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र के नोडल अधिकारी होंगे और वे शिकायकर्ताओं को संबंधित पटवारी, सचिव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आदि के माध्यम से शिविर में लाने एवं पहुंचाने की जिम्मेदारी भी निभाएंगे।

समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में शामिल विषय: आवास सहायता योजना में लाभ न मिलना या दर में विसंगति (आदिम जाति कल्याण विभाग), छात्रावासों में आवास, भोजन साफसफाई की समस्याएं (अनुसूचित जाति कल्याण विभाग), जननी सुरक्षा योजना, संबल योजना में राशि ने मिलना (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन), नवीन राशन कार्ड जारी करना या पात्रता पर्ची न बनना (खाद्य आपूर्ति विभाग), राजस्व विभाग से संबंधित नामातंरण एवं बंटवारा मामलें, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत राशि का अभाव, प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना में देरी (महिला एवं बाल विकास), पिछडा वर्ग एवं अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति संबंधी शिकायतें, ऊर्जा विभाग से संबंधित बिजली आपूर्ति या वोल्टेज की समस्याएं, मध्यप्रदेश असंगठित कर्मकार कल्याण मंडल से संबंधित संबल योजना, पुलिस विभाग में विवेचना में देरी या अन्य नियमितताएं, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की छात्रवृत्ति योजनाओं में देरी, समेकिल छात्रवृत्ति योजना (कक्षा 1 से 12 तक) में लाभ न मिलना एवं 100 दिवस से अधिक समय सें लंबित शिकायतें का निराकरण भी समाधान कैम्प में किया जाए।

उपरोक्त विषयों के साथ सी.एम. हेल्पलाईन में भुगतान से संबंधित शिकायतें का विशेष रूप से निराकरण कराया जाये। आवश्यकता अनुसार जनपद, क्लस्टर एवं ग्राम पंचायत स्तर में भी कैम्प आयोजित किया जाये। समाधान दिवस के शिविरों का निरीक्षण कलेक्टर और अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा किया जाएगा।

जिला जेल में सत्र न्यायाधीश का औचक निरीक्षण

व्यवस्थाओं का लिया जायजा, कैदियों के खाने की गुणवत्ता भी जांची

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पन्ना जिला जेल में मंगलवार को जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जेल व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए, कैदियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की। साथ ही जेल अधिकारियों को जरूरी निर्देश भी दिए।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष राजाराम भारतीय ने मंगलवार को अचानक जिला जेल पहुंचे। जहां उन्होंने जेल व्यवस्थाओंऔर बंदियों के लिए संचालित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

इस दौरान जेल किचन में भोजन व्यवस्था सहित खाने और बंदियों के उपयोग के लिए अनाज की गुणवत्ता देखी।वसाथ ही पुरूष एवं महिला बैरक,जेल अस्पताल, व्हीसी और कियोस्क कक्ष,मुलाकात एवं उद्यमिता कक्ष इत्यादि का भी निरीक्षण कर स्वच्छता व हाईजीन के बारे में जानकारी ली।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने समस्त बंदियों से संवाद कर समस्याएं भी पूछी। उचित मामलों में न्यायालय एवं प्राधिकरण द्वारा उच्च न्यायालय में अपील के लिए निशुल्क निर्णय प्रति प्रदान करने के लिए निर्देशित किया।

यूटीआरसी द्वारा अनुशंसित बंदियों के जमानत और रिहाई की जानकारी लेकर प्रभारी जेल अधीक्षक आर.पी. मिश्रा को बंदियों के स्वास्थ्य,खानपान तथा अन्य आवश्यक सुधार के लिए जरूरी दिशा निर्देश दिए। इस दौरान जिला न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के सचिव हरप्रसाद बंशकार एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेन्द्र सिंह परस्ते भी उपस्थित रहे।

जिले के उपार्जन केंद्रों का किया गया आकस्मिक निरीक्षण, धान का उठाव सुनिश्चित करने के दिए गए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार जिले के सभी 42 उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण राजस्व विभाग के उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सहकारिता विभाग के सहकारिता निरीक्षक, खाद्य विभाग के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी तथा उपायुक्त सहकारिता, मुख्य कार्यपालन अधिकारी केंद्रीय सहकारी बैंक, वेयरहाउसिंग के प्रबंधक के द्वारा किया जा रहा है।

मौसम को दृष्टिगत रखते हुए उपार्जित धान का सुरक्षित भंडारण एवं शीघ्रता से परिवहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर द्वारा सभी उपार्जन केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि उपार्जन के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जावेगी।

महर्षि विद्या मंदिर में वार्षिकोत्सव आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। महर्षि विद्या मंदिर का वार्षिकोत्सव गुरुवार को कृष्णा-राजकपूर ऑडिटोरियम में सम्पन्न होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह विश्व विद्यालय के कुलपति डा. राजकुमार आचार्य होगे जबकि विशिष्ट अतिथि की भूमिका में पूर्व प्राचार्य शा. कन्या उ. मा विद्यालय पी के स्कूल, श्री ओंकार नाथ पाण्डेय होगे ।

इस अवसर जानकारी देते हुए विद्यालय के प्राचार्य बीके रावत ने बताया कि विद्यालय के छात्र छात्रायों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की पस्तुति दी जायेगी एव विद्यालय में आयोजित की गई वर्ष भर की गतिविधियों एवम तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरुष्कृत किया जाएगा।

युवा दिवस को लेकर हुई बैठक, 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जंयती पर सूर्य नमस्कार समेत होंगे जिला स्तरीय कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर में बुधवार को जिला पंचायत के सभागार में युवा दिवस को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जंयती के चलते जिले भर में सूर्य नमस्कार समेत अन्य कार्यक्रम आयोजित किए। इसको लेकर बैठक में रुपरेखा तैयार की गई।

बैठक में जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त एवं जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि जिला स्तरीय सूर्य नमस्कार कार्यक्रम शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर के मैदान में सुबह 9:00 बजे से 10:30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इसके लिए सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने सूर्य नमस्कार में आवश्यक पुलिस बल व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था के संबंध में चर्चा की।

बैठक में आयुष विभाग के अधिकारियों को सूर्य नमस्कार के पल प्रतिपल कार्यक्रम अनुसार योगाभ्यास की प्रस्तुति एवं सीधा प्रसारण अंतर्गत योगाभ्यास करने हेतु निर्देशित किया गया। मुख्य नगरपालिका अधिकारी अनूपपुर को बैठक व्यवस्था, पेयजल, मैदान की साफ सफाई तथा आम नागरिकों को कार्यक्रम में सम्मिलित करने के लिए कहा गया।

बैठक में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर के प्राचार्य को स्थानीय समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों से संपर्क कर कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्मिलित कराने एवं कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों की देखरेख एवं बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। इसी प्रकार अमरकंटक में एवं विकासखंड स्तर पर आयोजित होने वाले सूर्य नमस्कार कार्यक्रम के संबंध में भी चर्चा कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी, जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त सरिता नायक, जिला शिक्षा अधिकारी तुलाराम आर्मो समेत अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 2817/न.पा.नि./राजस्व/2024-25 रीवा, दिनांक 23/08/2024

अचल सम्पत्ति नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व नगर सुधार न्यास रीवा की आवासीय योजना क्रमांक-8 नेहरू नगर जो नगर पालिक निगम रीवा के स्वामित्व में है, में स्थित एल.आई.जी. भवन क्रमांक 2/27/275 कुल क्षेत्रफल 910.80 वर्गफिट श्री अनिल सिंह पिता श्री चक्रभानु सिंह को 30 वर्षीय लीज पर आवंटित है, इनकी मृत्यु पश्चात, इस भवन का नामांतरण श्री शिवम सिंह पिता स्व. श्री अनिल सिंह निवासी नेहरू नगर रीवा मध्यप्रदेश के नाम किये जाने हेतु दिनांक 14.03.2024 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त एल.आई.जी. भवन क्रमांक 2/27/275 के नामांतरण में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो, तो समाचार पत्रों में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि तक कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात कोई आवेदन/आपत्ति न तो ग्रहण की जावेगी और न ही मान्य की जावेगी। तत्पश्चात आवेदक के आवेदन अनुसार एल.आई.जी. भवन क्रमांक 2/27/275 का नामांतरण श्री शिवम सिंह पिता स्व. श्री अनिल सिंह निवासी नेहरू नगर रीवा मध्यप्रदेश के नाम करने की कार्यवाही की जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व)
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

विचार

राहुल गांधी तय करेंगे, कौन बनेगा दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री ?

चुनाव आयोग ने दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को बतौर सीईसी अपनी आखिरी प्रेस कांफ्रेंस में दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तारीख का ऐलान करने के साथ ही अपने ऊपर लगाए जा रहे तमाम आरोपों का भी एक-एक करके जवाब देने की कोशिश की। दिल्ली में इस बार मतदाताओं की संख्या एक करोड़ 55 लाख 24 हजार 858 है जिसमें से महिला मतदाताओं की संख्या 71 लाख 73 हजार 952 है। जाहिर तौर पर, देश के कई अन्य राज्यों की तरह दिल्ली में भी महिला मतदाता, चुनावी जीत-हार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे हैं। हालांकि इस बार दिल्ली की चुनावी लड़ाई बहुत ज्यादा दिलचस्प होने जा रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 5 फरवरी को होने जा रहे मतदान में मुख्य मुकाबला अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी के बीच में होने जा रहा है। अरविंद केजरीवाल के लिए इस बार का विधानसभा चुनाव, उनके अस्तित्व के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण और निर्णायक चुनाव होने जा रहा है। दिल्ली के मुकाबले कहीं ज्यादा बड़े और महत्वपूर्ण राज्य- पंजाब में सरकार होने के बावजूद देश की राजधानी दिल्ली का केजरीवाल के लिए अपना महत्व है। अगर केजरीवाल दिल्ली का यह विधानसभा चुनाव जीत नहीं पाते हैं तो आम आदमी पार्टी पर उनकी पकड़ कमजोर हो जाएगी और साथ ही विपक्षी इंडिया गठबंधन में भी उनका दबदबा कमजोर होता चला जाएगा। घोटाले के आरोप में जेल तक की यात्रा करने वाले अरविंद केजरीवाल यह बखूबी जानते और समझते हैं कि दिल्ली की हार एक बार फिर से उन्हें राजनीतिक रूप से अछूत बना देगी। क्योंकि विपक्षी गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के दौरान भले ही मजबूरी में कई राज्यों में आप के साथ गठबंधन किया था लेकिन सच्चाई तो यही है कि सोनिया गांधी इस देश की राजनीति में नीतीश कुमार और अरविंद केजरीवाल पर कतई भरोसा नहीं करती है।

इस बार के दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और गांधी परिवार की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण हो गई है। वर्ष 2020 में, दिल्ली में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में भले ही कांग्रेस को सिर्फ 4.26 प्रतिशत मत मिला था और वह एक भी सीट नहीं जीत पाई थी लेकिन इस बार कांग्रेस ने पूरी ताकत के साथ दिल्ली में विधानसभा चुनाव लड़ने का संकेत दिया है।

नये चीनी वायरस से चिन्ता में डूबी दुनिया

ललित गर्ग

मानव इतिहास की सबसे बड़ी एवं भयावह महामारी कोरोना को झेल चुकी दुनिया पर एक और नये चीनी वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण की खबर ने दुनियाभर को चिंता में डूबो दिया है, बाजार से लेकर सामान्य जन-जीवन तक में डर, खौफ, अफरा-तफरी एवं असमंजस्य का माहौल व्याप्त है। कोविड-19 और अन्य श्वसन वायरस की तरह एचएमपीवी भी खांसने, छींकने और संक्रमित लोगों के निकट संपर्क से उत्पन्न बूंदों या एरोसोल के माध्यम से फैलता है। बुखार, सांस फूलना, नाक बंद होना, खांसी, गले में खराश और सिरदर्द इसके सामान्य लक्षण हैं।

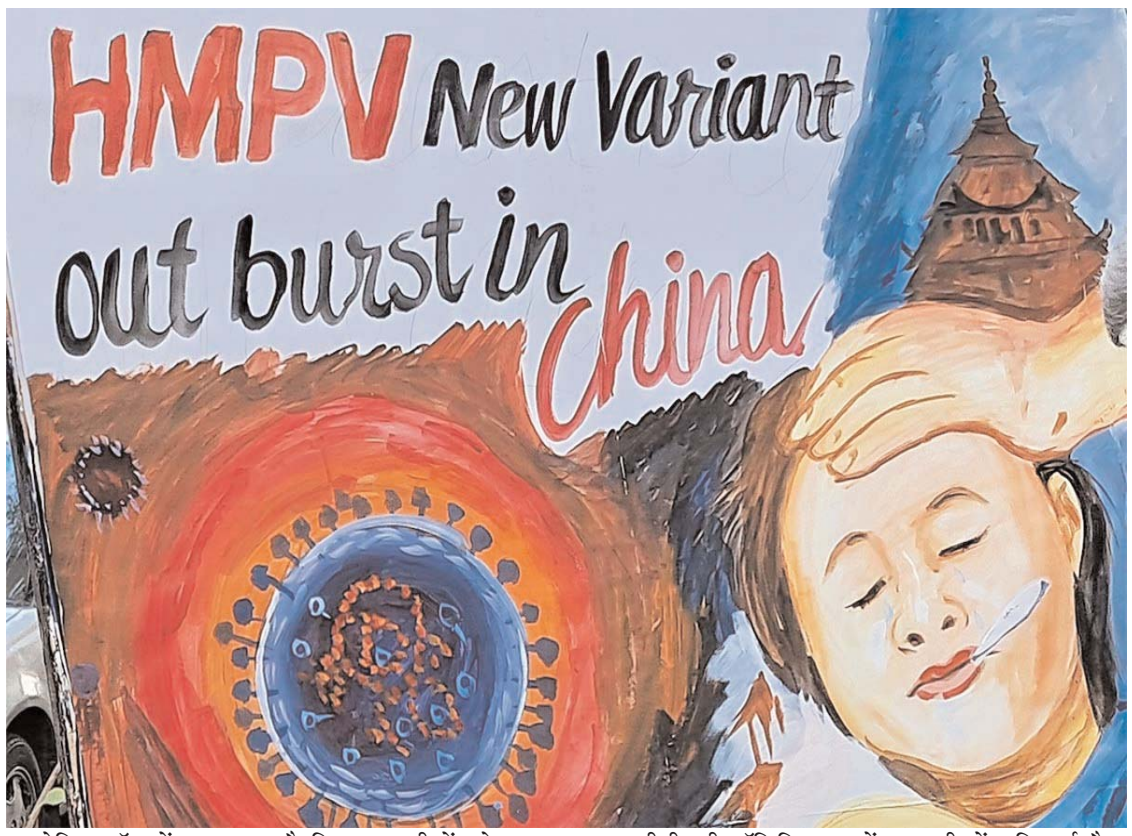

लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि कुछ मरीजों को इस संक्रमण के कारण ब्रोंकाइटिस और निमोनिया हो सकता है। एचएमपीवी के खिलाफ कोई टीका या प्रभावी दवा नहीं है और इलाज ज्यादातर लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए होता है। चीन में सांस की बीमारियों के बढ़ते मामलों की खबरों के बाद, भारत सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने डब्ल्यूएचओ से स्थिति पर लगातार अपडेट देने का अनुरोध किया है।

नये वर्ष में प्रवेश की शुभबेला में एकाएक इस महामारी की खबर से दुनिया भौचक्क एवं खौफ में आ गयी है। क्योंकि कोविड-19 महामारी के पांच साल बाद, चीन मौजूदा समय में नए वायरस एचएमपीवी से जूझ रहा है। इस वायरस ने चीन में हजारों लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। वहां हालात बेकाबू हो रहा हैं, अस्पतालों के बाहर मरीजों की भीड़ नजर आ रही है। हालांकि, हर बार की तरह चीन का कहना है कि मीडिया खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। ये मौसम बदलने का असर है। ठंड बढ़ने से आमतौर पर लोग खांसी-जुकाम की समस्या से जूझते हैं। ये भी मौसम की वजह से ही हो रहा है। चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर के अंत में चीनी सीडीसी के आंकड़ों के मुताबिक 14 वर्ष और उससे कम आयु के मामलों में एचएमपीवी की पॉजिटिव दर में हाल ही में वृद्धि हुई है। एचएमपीवी वायरस से छोटे बच्चे, वृद्ध और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग ज्यादा प्रभावित हुए है। चीन के साथ ही दुनिया के अनेक हिस्सों से इस महामारी से पीड़ित लोगों की खबरें आ रही है। भारत में भी चीन का खतरनाक वायरस एचएमपीवी पहुंच गया है। खबरों की मानें तो बेंगलुरु में 8 महीने का एक बच्चा एचएमपीवी वायरस से संक्रमित पाया गया है। बच्चे का ब्लड टेस्ट किये जाने के बाद ये दावा किया जा रहा है। यह भारत में एचएमपीवी वायरस का पहला मामला है। हालांकि, भारत में एचएमपीवी वायरस के मामले की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई।

चीन में सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि इन्फ्लूएंजा ए, एचएमपीवी, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और कोविड सहित कई वायरस फैल रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एचएमपीवी मामलों में वृद्धि के कारण अचानक मृत्यु दर में चिंताजनक वृद्धि हुई है तथा 40 से 80 वर्ष की आयु के लोग विशेष रूप से इससे प्रभावित हुए हैं। चीन की जिम्मेदार एजेंसियां इस वायरस के दुष्प्रभाव को घटाने में लगी हैं और यह उम्मीद की जा रही है कि चीन इस रोग पर लगाम लगाने में कामयाब हो जाएगा। चीन अपने यहां कोरोना वायरस पर भी लगाम लगाने में एक हद तक कामयाब रहा था। लेकिन वह दूसरे देशों में उसे फैलने से नहीं रोक पाया। लेकिन इस बार अब यह उम्मीद करनी चाहिए कि सजग चीन मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अपने यहां से किसी भी संदिग्ध को किसी दूसरे देश की यात्रा न करने दें। साथ ही इस महामारी पर नियंत्रण पाने में जिस विधि एवं उपचार पद्धति से वह सफलता पाये, उसे समूची दुनिया से साझा करें, ताकि महामारी से महाविनाश का प्रकोप व्यापक न बन सके।

एचएमपीवी का संक्रमण व्यक्तिगत संपर्क से बढ़ रहा है। अगर किसी संक्रमित व्यक्ति के किसी सामान को कोई स्वस्थ व्यक्ति छुए या उसके सम्पर्क में आये तो संक्रमण का खतरा बताया जा रहा है। यह वायरस चूंकि नया है, तो इसका अभी कोई टीका नहीं है। इसकी कोई एंटीवायरल दवा भी नहीं है। यह अच्छी बात है कि अधिकांश मामलों में लोगों को मामूली समस्याएं आ रही हैं। ज्यादातर लोग लक्षण के अनुरूप उपचार और आराम से ही ठीक होते जा रहे हैं। चीन ने साफ तौर पर कुछ बताया नहीं है, मगर अनुमान यही है कि गंभीर मामलों में लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए अस्पताल में भर्ती होने, ऑक्सीजन थेरेपी या कॉर्टिकोस्टेरॉइड उपचार की आवश्यकता पड़ सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की अगर मानें, तो इस वायरस का संक्रमण अक्टूबर महीने से ही बढ़ रहा है। अच्छा यही है कि यह बीमारी मौसमी साबित हो और कम से कम लोगों के जीवन पर असर डाले। कोरोना महामारी तो महाविनाश का कारण बनी थी, एचएमपीवी ऐसा अनर्थ ना करें।

चीन की साख कोरोना महामारी के कारण बहुत गिरी थी, दुनियाभर में लोगों के स्वास्थ्य पर हमला करने वाला चीन दुनिया की नजरों से गिर गया था। आखिर चीन अच्छी-अच्छी वस्तुओं, तकनीक एवं साजोसामान का निर्यात करते-करते महामारियों का निर्यातक क्यों बन गया? स्वास्थ्य एवं वैज्ञानिक क्रांति के लिये अग्रणी चीन अपने यहां आए दिन हो रहे ऐसे संक्रमण को लेकर सजग क्यों नहीं है? अब यह सवाल बिल्कुल जायज है कि वैज्ञानिक या कृत्रिम तरक्की की होड़ में कहीं चीन अपने लोगों के बुनियादी स्वास्थ्य की अनदेखी तो नहीं कर रहा है? कहीं चीनियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता समाप्त या बहुत कम तो नहीं हो गई है? वे बार-बार किसी-न-किसी प्रकार की महामारी की चपेट में आ रहे हैं और सम्पूर्ण मानव जाति को इससे पीड़ित बना रहे है तो यह गंभीर बात है। क्या इसका बड़ा कारण चीनी लोगों को खान-पान है? जरूरत से ज्यादा सुविधावादी जीवनशैली, कृत्रिम संसाधनों की प्रचुरता एवं अप्राकृतिक जीवन उनकी सेहत पर भारी पड़ रहा है।

ध्यान रहे कोरोना महामारी के समय विश्व स्वास्थ्य संगठन की भूमिका संतोषजनक नहीं थी। कोरोना महामारी की भयावहता के बावजूद वह चीन के प्रति उदार बना रहा। इसलिये एचएमपीवी महामारी के सन्दर्भ में सवाल उठ रहे हैं कि क्या डब्ल्यूएचओ गंभीरता दिखाते हुए पर्याप्त कदम उठायेगा? क्या उसने कोरोना महामारी के समय चीन से सही सवाल पूछे होते तो इस बीमारी के संभावित खतरे को नियंत्रित किया जा सकता था? क्या कोरोना बीमारी को लेकर विश्व को समय से सलाह न दे पाने में नाकाम रहने के लिए उसे जिम्मेदार माना जाना चाहिए? इस नयी महामारी को लेकर भी इन्हीं कारणों से डब्ल्यूएचओ पर ज्यादा विश्वास कैसे किया जा सकता है? भारत में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ.अतुल गोयल ने शुक्रवार को कहा कि एचएमपीवी एक सामान्य सांस संबंधी वायरस है जो सर्दी जैसे लक्षण पैदा करता है। कुछ लोगों को, खासकर बुजुर्गों और शिशुओं को, फ्लू जैसे लक्षण हो सकते हैं। लेकिन यह कुछ गंभीर या चिंताजनक नहीं है।' डॉ. गोयल ने भले से मनोवैज्ञानिक तरह से एचएमपीवी वायरस को गंभीर न बताकर इसके आतंक को कम कर दिया है, सरकार भी इस महामारी को लेकर सतर्क है, लेकिन फिर भी इस नये वायरस की त्रासदी एवं संकट से जूझ रहे विश्व-मानव को सावधान रहना चाहिए। विभिन्न देशों की सरकारों एवं डब्ल्यूएचओ का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के लोगों के स्वास्थ्य के स्तर को ऊंचा उठाना है। हर इंसान का स्वास्थ्य अच्छा हो और महामारी का शिकार होने पर हर व्यक्ति को अच्छे प्रकार के इलाज की अच्छी सुविधा मिल सके, ऐसे प्रयास करने है। इक्कीसवीं सदी की पहली रजत जयन्ती वर्ष की शुरुआत नये वायरस की महामारी के रूप में एक वैश्विक त्रासदी के साथ होना दु:खद है। ऐसी त्रासदी जो विश्व की बड़ी सत्ताओं को मानव कल्याण की नीतियों को अपनाने एवं इंसान को अपने जीवन मूल्यों और जीवनशैली पर पुनर्चिंतन करने को मजबूर कर रही है और उनका आत्मविश्वास एवं मनोबल बढ़ाने की आवश्यकता व्यक्त कर रही है।

बल्लेबाजों ने बेड़ा गर्क किया, आस्ट्रेलिया ने 3-1 से जीती टेस्ट सीरीज

आदर्श प्रकाश सिंह

खराब प्रदर्शन करके भारतीय क्रिकेट टीम ने दुनिया भर में अपनी प्रतिष्ठा को धूमिल किया है। आस्ट्रेलिया से टेस्ट सीरीज में 3-1 से मिली पराजय कई खिलाड़ियों का भविष्य भी तय करेगी। न्यूजीलैंड ने पिछले साल भारत के दौरे पर आकर 3-0 से हमारा सफाया किया था। इतना शर्मनाक प्रदर्शन करने के बाद भी हमारे खिलाड़ियों की नींद नहीं टूटी। वे आस्ट्रेलिया दौरे में अपना यही प्रदर्शन दोहराते रहे। इसका नतीजा हम सबके सामने है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को छोड़ दें तो बाकी सभी ने निराश किया है। लगातार दो सीरीज में मिली इस पराजय के कारण भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की दौड़ से बाहर हो गया है। जून में इंग्लैंड के लार्ड्स के मैदान पर होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए अब दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया के बीच मुकाबला होगा। पिछले दो बार के फाइनल में भारत पहुंचा था लेकिन जीत हासिल नहीं हुई थी। एक बार न्यूजीलैंड ने तो दूसरी बार आस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम को हरा दिया था।

कंगारुओं ने जिस तरह हमारा मान मर्दन किया है वह बहुत दिनों तक खेल प्रेमियों को सालता रहेगा। पर्थ में पहले टेस्ट मैच में जीत के साथ शुरुआत करने के बाद भारतीय खेमा जिस तरह लड़खड़ाया उसकी दूसरी मिसाल नहीं मिलेगी। वरिष्ठ खिलाड़ियों का बल्ला पूरी तरह खामोश रहा। आउट ऑफ फार्म कप्तान रोहित शर्मा ने तो खुद को आखिरी टेस्ट से बाहर ही कर लिया। पांच पारियों में उनके बल्ले से महज 31 रन निकले। विराट कोहली ने पर्थ में शतक लगाकर सुखद संकेत दिया लेकिन बाद के मैचों में रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे। कोहली ने 9 पारियों में 190 रन बनाए। इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों से बड़ी उम्मीद थी लेकिन इन्होंने टीम का बेड़ा गर्क कर दिया।

बीसीसीआई को इन दोनों के भविष्य के बारे में विचार करना होगा। टी-20 से ये दोनों संन्यास ले चुके हैं और काफी समय से टेस्ट मैचों में लचर प्रदर्शन जारी है। आखिर यह दौर कब तक चलेगा? बड़े नाम वाले खिलाड़ी कब तक टीम पर बोझ बने रहेंगे? कहना गलत नहीं होगा कि बल्लेबाजों की नाकामी से भारत को यह हार नसीब हुई है।

युवा यशस्वी जायसवाल सीरीज में 391 रन बना कर टॉप पर रहे। एक शतक और दो अर्ध शतक उनके नाम रहे। अनुभव के साथ वह परिपक्व होते जाएंगे लेकिन दूसरे ओपनर केएल राहुल ने बहुत निराश किया है। वह दस साल से खेल रहे हैं लेकिन अहम मौकों पर उन्होंने अपना विकेट गंवा दिया। सिर्फ दो अर्ध शतकों के साथ उनके खाते में 276 रन हैं। राहुल का करियर भी दांव पर है। युवा शुभमन

गिल ने पिछले आस्ट्रेलियाई दौरे में बेहतर प्रदर्शन किया था, मगर इस बार गिल ने काफी निराश किया। एक भी पचासा उनके बल्ले से नहीं निकला। ऋषभ पंत गैर जिम्मेदाराना शाट लगाकर आउट होने के लिए विख्यात हैं। पांच साल से खेलने के बाद भी पंत का रवैया नहीं बदला है।

युवा नीतीश रेड्डी ने मेलबर्न में शतक लगाकर सभी को प्रभावित किया है। उनके खाते में 298 रन हैं। एक आलराउंडर की भूमिका के लिए नीतीश को आगे के लिए तैयार किया जा सकता है। रवींद्र जडेजा ने एक अच्छी पारी खेली लेकिन उन जैसे सीनियर बैटर से और बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा थी। गेंदबाजी में भी वह कोई कमाल नहीं दिखा सके। टेस्ट प्रारूप में कप्तान का संकट भी दिख रहा है। रोहित यदि हटाए जाते हैं तो किसे यह जिम्मेदारी दी जाएगी।

बुमराह ने अकेले दम गेंदबाजी का भार उठाए रखा। मोहम्मद शमी की कमी बहुत खली। बुमराह ने सीरीज में कुल 32 विकेट लिये। उन्हें %प्लेयर ऑफ द सीरीज% चुना गया है। टेस्ट कॅरियर में बुमराह के 200 विकेट पूरे हो गए हैं। सिडनी टेस्ट की आखिरी पारी में चोटिल होने के कारण बुमराह गेंदबाजी नहीं कर सके वर्ना मैच का नतीजा बदल भी सकता था। सिराज ने बुमराह के जोड़ीदार की भूमिका निभाई, पर वह असरदार नहीं रहे। सिराज ने 20 विकेट लिये। टेस्ट मैचों में उनके सौ विकेट हो गए हैं।

दौरे के बीच में ही स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के संन्यास के निर्णय ने सभी को चौंकाया। इससे यह भी पता चला कि टीम में सबकुछ ठीक नहीं है। अश्विन को केवल एक टेस्ट एडीलेड में खिलाया गया। अगला टेस्ट ब्रिसबेन में था जिसमें जडेजा को उतारा गया। इसी टेस्ट के दौरान अश्विन ने संन्यास का ऐलान कर दिया। वह भारत लौट भी आए। अश्विन सीनियर खिलाड़ी हैं। विदेशी दौरों पर उनको कई बार बाहर बैठाया गया है। कोच गौतम गंभीर का बर्ताव भी सुर्खियों में रहा। कई खिलाड़ी उनको लेकर सहज नहीं हैं। बीसीसीआई को जल्द ही इस हार की समीक्षा करके कुछ कड़े निर्णय लेने चाहिए। टीम से बड़ा कोई नहीं है।

नशा कारोबारी सुच्चा सिंह की 2 करोड़ की संपत्ति जब्त

कोरियर, बस से भेजता था पार्सल,अवैध कमाई को वैध करने बनाई कंस्ट्रक्शन-कंपनी, कई राज्य में प्रॉपर्टी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में नशे का कारोबार करने वाले आरोपी की 2 करोड़ 5 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की गई है। प्रदेश में अब तक की ये सबसे बड़ी कार्रवाई है। आरोपी सुच्चा सिंह उर्फ संजीव छाबड़ा ने अवैध कमाई को वैध करने के लिए कंस्ट्रक्शन कंपनी भी बना ली थी। नशीली दवाओं को कोरियर और बस से अलग-अलग जिलों में पार्सल बनाकर भेजता था।

इस कंपनी के जरिए वह नशीली दवाओं के पैसे को जमा कर वैध बनाता था। पुलिस ने उसके अकाउंट के पांच साल के लेनदेन के ट्रांजेक्शन के आधार पर कार्रवाई की है। अब संपत्ति को राजसात करने के लिए मुंबई स्थित सफेमा कोर्ट में केस पेश किया जाएगा।

नशे के अवैध कारोबार पर प्रतिबंध लगाने सख्ती: एसपी रजनेश सिंह ने बताया कि जिले में आमतौर पर नशे के खिलाफ कार्रवाई केस दर्ज करने और गिरफ्तारी तक सीमित रहती है। इसके चलते अवैध कारोबार में शामिल लोग जेल से छूटते ही फिर से कारोबार शुरू कर देते हैं। अब पुलिस ऐसे अपराधियों की संपत्ति भी जब्त करने की कार्रवाई कर रही है।

सुच्चा सिंह उर्फ संजीव छाबड़ा की संपत्ति की जुटाई जानकारी: ऐसे ही एक मामले में पुलिस ने नशे का कारोबार करने वाले सुच्चा सिंह उर्फ संजीव छाबड़ा की संपत्ति की जानकारी जुटाई। इसमें पता चला कि करीब आरोपी ने 2 करोड़ 5 लाख रुपए की संपत्ति जुटाई है। इसमें बिलासपुर के साथ ही मध्यप्रदेश के जबलपुर, महाराष्ट्र के नागपुर, फरीदाबाद और हरियाणा में जमीन खरीद कर मकान, दुकान और कॉम्प्लेक्स बनाया गया है।

अवैध कमाई को वैध करने के लिए बनाई कंस्ट्रक्शन कंपनी: सिविल लाइन सीएसपी निमितेश सिंह ने बताया कि रकम को छिपाने के उद्देश्य से आरोपी संजीव छाबड़ा ने छाबड़ा कंस्ट्रक्शन के नाम से फर्म रजिस्टर्ड कराया। फर्म की जांच करने पर पता चला कि इस नाम की कोई भी फर्म बिलासपुर के टिकरापारा में नहीं है। आयकर विभाग से जानकारी ली गई तो पता चला कि उसके फर्म में कोई व्यवसाय नहीं है।

लेकिन, फर्म के अकाउंट पर करोड़ों रुपए का लेन-देन किया गया है। उसके अलग-अलग बैंक अकाउंट के पांच साल के आय-व्यय की भी जानकारी जुटाई गई, पता चला कि ज्यादातर पैसे नशीली दवाओं की सप्लाई कर जमा कराई गई है।

कोरियर और बस से भेजता है पार्सल: पुलिस की पूछताछ और जांच में पता चला है कि पुलिस की कार्रवाई के डर से सुच्चा सिंह ने करीब 16 साल पहले बिलासपुर छोड़ दिया। महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में रहकर बिलासपुर सहित अलग-अलग जिलों में नशीली दवाओं को कोरियर और बस से पार्सल बनाकर भेजता था। इसे यहां उसके गिरोह के सदस्य लेकर सप्लाई करते थे।

जांच में पता चला है कि स्थानीय तस्कर पैसों को उसके अकांउट पर जमा कराते थे। उसके खातों में करोड़ों का लेनदेन केवल प्रतिबंधित नशीली दवाओं का है। पुलिस ने उसके यूनियन बैंक के अकाउंट में जमा 3 लाख 95 हजार रुपए, बंधन बैंक के अकाउंट में जमा 3 लाख 72 हजार रुपए को फ्रीज कराया है।

यही नहीं आरोपी संजीव कुमार छाबड़ा ने अपने माता-पिता, भाई और भाई की पत्नी के खातों में भी रकम ट्रांसफर कराई। उसी रकम को अपने खातों पर वापस लेकर करोड़ों की प्रॉपर्टी बनाई। आरोपी संजीव कुमार छाबड़ा की प्रॉपर्टी और खाते की रकम की पहचान कर जब्ती की कार्रवाई करते हुए मुंबई स्थित सफेमा कोर्ट में केस भेजा गया है।

30 आरोपियों की पहचान कर होगी गिरफ्तारी: एसपी रजनेश सिंह ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में वह नशीली दवाओं का बड़ा तस्कर है। इस गिरोह के नीचे से ऊपर तक कार्रवाई की गई है, इसमें अब तक 16 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिसका सरगना सुच्चा सिंह था।

उसके नेटवर्क में दूसरे प्रदेश के लोग भी शामिल हैं। नेटवर्क में शामिल 30 से 35 लोगों की जानकारी मिली है, जिसमें कुछ मेडिकल शॉप ऑनर भी हैं, जिनके खिलाफ पुख्ता सबूत जुटाकर कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने कहा कि इस बड़ी कार्रवाई में शामिल पुलिस अफसर और जवानों को सम्मानित किया जाएगा।

हाईवा ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

मुंगेली से लौट रहे थे बाइक सवार, दूसरा गंभीर, घर पर अकेले कमाने वाला था युवक

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर जिले के तखतपुर के पास तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरा गंभीर रूप से घायल है। उसे इलाज के लिए बिलासपुर रेफर किया गया है। घटना तखतपुर-मुंगेली मार्ग की है।

जानकारी के अनुसार, तखतपुर के नया मंडी निवासी नरेंद्र गोंड (25) पिता धन्नू गोंड अपने दोस्त राजा धुरी (23) के साथ किसी काम से मुंगेली गया था। दोनों बाइक पर सवार थे। मंगलवार की देर शाम दोनों वापस तखतपुर लौट रहे थे। तभी बरेला बाईपास रोड के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार हाईवा ने उनकी बाइक को टक्कर मार दिया।

युवक ने मौके पर ही तोड़ा दम: इस हादसे में बाइक चला रहे नरेंद्र गोंड के सिर और चेहरे में गंभीर चोटें आई, जिससे वो खून से लथपथ होकर बेहोश हो गया। कुछ ही देर में मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं, पीछे बैठे राजा धुरी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे 108 की मदद से तखतपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे बिलासपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

घर में अकेले कमाने वाला था युवक: इस हादसे की खबर मिलते ही नरेंद्र गोंड के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पूछताछ में पता चला कि, वो अपने घर में अकेला कमाने वाला था। उसकी दो बहनों की शादी हो चुकी है। उसके ऊपर ही घर की जिम्मेदारी दी थी। घर में उसकी पत्नी और डेढ़ साल बेटा है। हादसे के बाद उनका रो-रोकर बुरा हाल है।

100 साल पुराने जर्जर मिशन अस्पताल पर चला बुलडोजर

सुबह 6 बजे से कार्रवाई, सरकारी जमीन का हो रहा था व्यावसायिक इस्तेमाल

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 100 साल पुराने जर्जर मिशन अस्पताल परिसर पर नगर निगम बुलडोजर चलाने की कार्रवाई कर रहा है। सुबह 6 बजे से अतिक्रमण दस्ते के 10 बुलडोजर भवन को जमींदोज करने में लगे हैं। करोड़ों की सरकारी जमीन पर व्यवसायिक उपयोग हो रहा था।

जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम संयुक्त कार्रवाई कर रही है। दरअसल, कमिश्नर कोर्ट ने लीज समाप्त होने पर भूमि अधिग्रहण के आदेश को सही ठहराया था। मिशन हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉक्टर रमन जोगी और पदाधिकारियों ने अस्पताल के ओपीडी, आईसीयू और अन्य हिस्सों को कब्जा कर लिया था। लाइसेंस रिन्यूअल नहीं होने के बाद भी जर्जर भवन में अस्पताल का संचालन किया जा रहा था।

2014 में खत्म हो गई है लीज की अवधि: मिशन अस्पताल की स्थापना साल 1885 में हुई थी। मिशन अस्पताल को लीज पर दिया गया। था। लीज साल 2014 में खत्म हो गई है। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने लीज का नवीनीकरण नहीं कराया है। नवीनीकरण के लिए पेश किए गए आवेदन को नजूल न्यायालय ने वर्ष 2024 में खारिज कर दिया। नजूल न्यायालय के खिलाफ मिशन प्रबंधन ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन हाईकोर्ट ने स्थगन आदेश जारी करने से इनकार कर दिया।

लीज की जमीन का किया जा रहा था व्यावसायिक उपयोग: क्रिश्चियन वुमन बोर्ड का मिशन के डायरेक्टर डॉ. रमन जोगी ने मिशन अस्पताल परिसर की जमीन पर कब्जा कर अस्पताल परिसर की जमीन का व्यावसायिक उपयोग करते हुए उसे किराए पर दे दिया था। वहीं, मिशन अस्पताल को भी अस्थाई रूप से बंद कर न्यू वंदना अस्पताल के नाम पर संस्था का संचालन किया जा रहा था। इस बीच रजन जोगी ने कलेक्टर को पत्र लिखकर कहा था कि अस्पताल के ओपीडी, इक्विपमेंट,लेबर रूम, आईसीयू, नवजात शिशु केंद्र, नर्सिंग स्कूल, हॉस्टल, क्लासरूम लैबोरेट्री और रेजिडेंशियल आवासीय डॉक्टर्स कॉलोनी और स्टाफ क्वॉर्टर को प्रशासन को सौंप देगा।

प्रशासन का कब्जा फिर भी चल रहा था अस्पताल: इसके बाद जिला प्रशासन ने अस्पताल परिसर को अपने कब्जे में ले लिया था। लेकिन, इसके बाद भी यहां मिशन अस्पताल पहले की तरह संचालित हो रहा था। अस्पताल में डॉक्टर भी अपने चैंबर में बैठ रहे थे और बाकायदा ओपीडी भी लगाई जा रही थी। लोगों ने प्रशासन ने इसकी शिकायत भी की थी। लेकिन, इसके बाद भी ध्यान नहीं दिया जा रहा था। परिसर में मेडिकल स्टोर भी पहले की तरह संचालित हो रहा था। जहां लोग भी दवाई लेने के लिए पहुंचते थे। डॉक्टर प्रिस्क्रिप्शन में जो दवाइयां लिखते हैं, वो इसी मेडिकल स्टोर में ही मिलती थी।

किराए पर दिए गए थे परिसर के मकान: जिला प्रशासन के कब्जे में लेने के बाद भी परिसर में अभी भी लोग किराए पर रह रहे थे। ऐसे में कब्जाधारी अब भी काबिज थे। इसके साथ ही मुख्य अस्पताल के पीछे एक लाल रंग की बिल्डिंग है। जहां नर्सिंग कॉलेज का ऑफिस भी खोला गया था। विधायक निधि से जनरेटर, एसी और दूसरी व्यवस्थाएं की गईं थीं। लीज निरस्त होने के बाद जिला प्रशासन ने इसे अपने कब्जे में ले लिया था।

शौच के लिए गई महिला से रेप, चाकू की नोक पर वारदात

मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी। कोरबा में चाकू की नोक पर महिला के साथ रेप हुआ है। घटना मंगलवार की है। जहां एक युवक ने घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद परिजनों और रहवासियों ने नाराजगी दिखाई और कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। कोरबा सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि आरोपी मेहतर सिंह (24) के खिलाफ 376 का मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

चाकू की नोक पर किया रेप: बताया जा रहा है कि 37 वर्षीय महिला बीते शाम घर से लगे हसदेव नदी किनारे शौच के लिए गई हुई थी, जहां एक युवक धारदार हथियार की नोक पर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद जब महिला किसी तरह डरी सहमी अपने घर पहुंची और आपबीती बताई।

अर्दन चेक डेम निर्माण से ग्रामीणों को सिंचाई और खेती में राहत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। जिले के ग्राम पंचायत बाला जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ में अर्दन चेक डेम का निर्माण एक महत्वपूर्ण कदम है। जिससे आसपास के क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधा मिली है। लगभग 10 एकड़ भूमि को सिंचित करने में यह डेम मददगार साबित हुआ है। इस प्रकार के डेम का निर्माण स्थानीय समुदाय के लिए बहुत फायदेमंद होता है, खासकर कृषि के लिए। इससे न केवल सिंचाई की सुविधा मिलती है, बल्कि यह जल संचयन में भी मदद करता है। इस क्षेत्र में अर्दन चेकडेम के निर्माण से स्थानीय किसानों को बहुत लाभ होगा और वे अपनी फसलों को बेहतर ढंग से लगा पाएंगे।

मेहनत करने वाले किसानों को जो संसाधन और सरकारी मदद मिलती है, तो उनकी मेहनत का सही फल मिलता है और उनकी तरक्की के नए रास्ते खुल जाते हैं। मनरेगा जैसी योजनाओं से किसानों को मदद मिलने से उनके जीवन स्तर में सुधार होता है। बाला ग्राम पंचायत के पास करमबोथा नाला पर बनाए गए चेक डेम का उदाहरण इस बात को साबित करता है कि सही संसाधन और योजना से कृषि क्षेत्र में नवाचार और विविधता लाई जा सकती है।

ग्राम पंचायत बाला की सफलता की कहानी बताती है कि जब ग्राम पंचायत और प्रशासन मिलकर काम करते हैं, तो स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों की गति तेज होती है और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। ग्राम पंचायत बाला ने ग्रामीणों की मांग पर एक कार्य का प्रस्ताव पारित किया, जिसे जिला कार्यक्रम समन्वयक द्वारा अनुमोदित किया गया और लगभग ढाई लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हुई। इसके बाद, ग्राम पंचायत को ही कार्य एजेंसी के रूप में नियुक्त किया गया।

यह प्रक्रिया दर्शाती है कि ग्राम पंचायतें और प्रशासन के बीच सहयोग से स्थानीय विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है। ग्राम पंचायतें ग्रामीणों की समस्याओं को समझती हैं और उनका समाधान करने के लिए काम करती हैं।

43 दिनों से ग्रामीण जंगल में कर रहे पहरेदारी

बोले- नहीं कटने देंगे कोल माइंस के लिए पेड़, उनका अधिकार पहले

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के नागरामुड़ा गांव के ग्रामीण पेड़ों की कटाई का विरोध कर रहे हैं। ग्रामीण सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक नर्सरी बाड़ी में पहुंचकर पहरेदारी करने बैठ जाते हैं और जंगल में पेड़ कटाई न हो इसकी निगरानी कर रहे हैं। बुधवार को ग्रामीणों को विरोध करते हुए 43 दिन हो चुके हैं। निजी कंपनी के कोल माइंस विस्तार के लिए पेड़ों की कटाई की जानी है।

तमनार ब्लॉक के डोंगामहुआ, जांजगीर और नागरामुड़ा गांव के जंगल में माइंस के विस्तार के लिए करीब 12 हजार से ज्यादा पेड़ों की कटाई की जानी है। पेड़ काटने और उसके परिवहन का काम वन विभाग को किया जाना है। ऐसे में 27 नवंबर को वन अमला नागरामुड़ा गांव में पेड़ काटने पहुंचा और करीब 1100 पेड़ों को काट दिया, लेकिन उसके बाद ग्रामीणों ने इसका विरोध शुरू कर दिया।

ग्रामीणों ने कटे हुए पेड़ों को भी उठाने से मना कर दिया। हर दिन ग्रामीण सुबह 10-11 बजे से नर्सरी बाड़ी के पास जमा होते हैं और शाम तक यहीं रहते हैं। ताकि पेड़ों की कटाई न हो सके। उनका यह भी कहना है कि जंगल में ग्रामीणों का पहला अधिकार है और वह अधिकार देने के बाद ही आगे की प्रक्रिया पूरी की जानी चाहिए।

समझाइश दी गई, लेकिन नहीं माने ग्रामीण: बताया जा रहा है कि कटे हुए पेड़ जंगल में पड़े हैं और वन विभाग के लिए उसे उठाना भी जरूरी है।

शहीद पिता को 2 महीने के बेटे ने दी अंतिम-विदाई

चिता पर मासूम को देखकर रो पड़ी भीड़,पत्नी बोली, नक्सलियों को मिले इससे बदतर मौत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर नक्सल ब्लास्ट में शहीद दंतेवाड़ा के जवान सुदर्शन वेट्टी का मंगलवार को अंतिम संस्कार किया गया। उससे पहले चिता पर सुदर्शन के 2 महीने के बेटे अयान को लाया गया। जिसने पिता को अंतिम विदाई दी। वो ठीक से पापा की गोद में खेल भी न सका था कि, उसके सिर से पिता का साया उठ गया।

दरअसल, 2 महीने का यह बच्चा भीड़-भाड़ में घबरा रहा था। इस कदर पिता की चिता पर बच्चे को देखकर पूरी भीड़ रो पड़ी। पत्नी ने कहा कि, नक्सलियों को मेरे पति से भी बदतर मौत मिलनी चाहिए। वहीं, मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर जब यह वीडियो देखा, तो उन्होंने लिखा कि, नक्सलियों कान खोलकर सुन लो हमारे जवानों की शहादत बेकार नहीं जाएगी।

जिस दिन 2 महीने का हुआ बच्चा उसी दिन पिता शहीद: शहीद को अंतिम विदाई देने के लिए पहुंचे लोगों ने भारत माता के जयकारे लगाए। भीड़ में पीछे बदहवास रोती हुई शहीद सुदर्शन की पत्नी प्रमिला तिलम भी चल रही थी। उसी की गोद में 2 महीने का अयान रो रहा था। अब यह बच्चा कभी अपने पिता की गोद में नहीं खेल पाएगा।

प्रमिला ने मीडिया से कहा कि, जो मौत मेरे पति को मिली है, उससे बदतर मौत नक्सलियों को मिलेगी। सुदर्शन वेट्टी की पिछले साल ही 2024 जून में शादी हुई थी। दुखद इत्तेफाक है कि जिस 6 तारीख को अयान ने जिंदगी के 2 महीने पूरे किए, उस दिन ही उसके पिता नक्सलियों के हमले में शहीद हो गए।

6 जनवरी को नक्सलियों ने किया था ब्लास्ट: बता दें कि, बीजापुर जिले में नक्सलियों ने 6 जनवरी को जवानों को लेकर जा रहे वाहन को ब्लास्ट कर उड़ा दिया था। हमले में दंतेवाड़ा छ्रत्त के 8 जवान शहीद हो गए और एक ड्राइवर की भी मौत हो गई। आईजी बस्तर रेंज सुंदरराज पी ने बताया कि, संयुक्त ऑपरेशन पार्टी ऑपरेशन पूरा कर वापस लौट रही थी।

अंबेली गांव के पास नक्सलियों ने ढ्ढश्वष्ठ ब्लास्ट किया था। धमाका इतना जोरदार था कि सड़क पर करीब 10 फीट गहरा गड्ढा हो गया और वाहन के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी के कुछ पार्ट्स 30 फीट दूर एक पेड़ पर 25 फीट ऊंचाई पर मिले।

कमलेश शर्मा बने रेडक्रास सोसाईटी के प्रदेश प्रतिनिधि

रेडक्रास सोसाईटी की बैठक में विधिवत हुआ निर्वाचन

मीडिया ऑडीटर, बैकुंठपुर (कोरिया) निप्र। जिले में रेडक्रॉस सोसायटी के राज्य प्रबंधन समिति के प्रतिनिधि के लिए 07 जनवरी 2025 को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरिया कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक सीएमएचओ कोरिया व रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव डा प्रशांत सिंह के द्वारा बुलाई गई । रेडक्रास सोसाईटी जिला शाखा की बैठक में निर्वाचन अधिकारी एवं जिला अस्पताल के सीएस डॉ आयुष जायसवाल के निर्देशन में प्रदेश प्रतिनिधि का विधिवत निर्वाचन हुआ।

जिसमें कमलेश शर्मा रेडक्रास सोसाईटी के प्रदेश प्रतिनिधि के लिए निर्वाचित हुए। जो कि राज्य स्तर पर कोरिया जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। बैठक में स्वास्थ्य एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्य के लिए आगामी कार्य योजनाओं पर भी चर्चा की गई। बैठक के बाद रेडक्रास समिति के कार्यालय हेतु भवन का भी चयन किया गया।

जहां समिति की आगामी बैठकें आयोजित की जाएंगी। बैठक में रेडक्रास समिति के चेयरमैन महेंद्र बेद, डिप्टी चेयरमैन गीता राजवाड़े कोषाध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता समिति के सदस्यगण शैलेश शिवहरे, बसंत राय, शैलेंद्र शर्मा, सुधीर अग्रवाल, आशीष बड़ेरिया कमलेश गुप्ता, प्रशांत गुप्ता एवं ओम प्रकाश वर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

समय सीमा की बैठक सम्पन्न

जिला अधिकारी गणतंत्र दिवस की तैयारी करें प्रारंभ : कलेक्टर

वन विभाग को पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने समय सीमा की बैठक के दौरान 26 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर सभी विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि समारोह का आयोजन आमाखेरवा ग्राउंड मनेंद्रगढ़ में किया जाएगा। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के संदेश को समारोह स्थल पर उचित ढंग से प्रस्तुत किया जाए। समारोह स्थल पर चिकित्सा दल और उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ-साथ आमाखेरवा ग्राउंड की साफ-सफाई, ट्रैक लाइटिंग, टेंट, कुर्सी, बेरिकेटिंग और लाइटिंग की व्यवस्था की जाए। साथ ही दो सफेद टोपियां, एक सफेद छाता, माइक, राष्ट्रीय ध्वज, बांस-बल्ली के माध्यम से बेरिकेटिंग, जनसामान्य के लिए पेयजल हेतु पानी टैंकर/फायर ब्रिगेड की व्यवस्था, सजावट के लिए गमलों और साज-सज्जा की व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही विद्युत की व्यवस्था, उद्घोषक की नियुक्ति, सफेद कबूतरों, गुब्बारों और बैण्ड की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। जिला पुलिस विभाग, होमगार्ड, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, वन रक्षक और कोटवार द्वारा पूर्ण गणवेश में मार्च पास्ट आयोजित करने के निर्देश दिए गए। और आमंत्रण पत्र की छपाई और वितरण, प्रशस्ति पत्र की तैयारी, रंगोली, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों/शहीद परिवारों के लिए लाने-ले जाने और रुकने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। परेड निरीक्षण के लिए खुली जिप्सी, उद्घोषक को कार्यक्रम की समय सूची पूर्व में उपलब्ध कराना, फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी की व्यवस्था, ध्वजारोहण, रिहर्सल, पुरस्कार वितरण, मिष्ठान वितरण, मंच स्थल पर स्वल्पाहार और झांकी की व्यवस्था के निर्देश भी दिए गए। इसके साथ ही कलेक्टर ने सभी तैयारियों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने आगे कहा कि जो किसान पहले धान समिति में दे रहे थे। किसी कारण से वंश अगर वो नहीं है तो उसका धान को खरीदी के लिए समिति को आदेश पारित करने के निर्देश दिए हैं ताकि उनके परिवार के अन्य सदस्य धान बेच सके। एमसीबी जिला के पर्यटन स्थलों में टूरिस्ट के लिए वॉशरूम और रुकने के व्यवस्था हेतु जमीन आवंटन करने के लिए निर्देशित किए हैं। इसके साथ ही उन्होंने प्रभारी मंत्री की बैठक वाली पीपीटी में पालन प्रतिवेदन को भरने, विभागों की साइड में योजनाओं की सही जानकारी डालने के लिए कहा गया और अनावश्यक चीजों को न डालने के लिए निर्देशित किया है। आगे उन्होंने जानकारी दी कि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. अम्बिकापुर द्वारा एमसीबी जिला में 7 नए उपार्जन केंद्र खोले गए हैं, जिसमें कुंवारपुर (गड़वार), बरदर (खड़गवां), सिहगत (चिरमी), कौड़ीमार (खड़गवां), बंजी (चैनपुर), कटकोना (कोड़ा) और रतनपुर (जिल्दा) को बनाया गया है।

प्रियंका ने बिधूड़ी के बयान को बेहूदा बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी के बयान पर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने बुधवार को पलटवार किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा नेता ने बेहूदा बयान दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि हमें इस तरह की फिजूल की बातों पर चर्चा नहीं करना चाहिए।दिल्ली चुनाव होने वाले हैं, इसलिए अहम मुद्दों की बात होनी चाहिए। दरअसल, रविवार को बिधूड़ी ने प्रियंका गांधी पर आपत्तिजनक कमेंट किया था। उन्होंने कहा था कि जैसे ओखला और संगम विहार की सड़कें बना दी हैं, वैसे ही कालकाजी में सारी की सारी सड़कें प्रियंका गांधी के गाल जैसी बना दूंगा। दिल्ली में चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। 5 फरवरी को सभी 70 सीटों पर वोटिंग होगी। वहीं, 8 फरवरी को नतीजे घोषित किए जाएंगे। दिल्ली विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 23 फरवरी को खत्म हो रहा है।

एक देश एक चुनाव पर जेपीसी की पहली बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक देश-एक चुनाव के लिए संसद में पेश हुए 129वें संविधान संशोधन बिल पर बुधवार को जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी की पहली बैठक हुई। मीटिंग में सांसदों को कानून मंत्रालय ने 18 हजार पन्नों की रिपोर्ट सूटकेस में रखकर दी। मीटिंग के बाद भाजपा सांसद संबित पात्रा, आप सांसद संजय सिंह सहित कई सांसद यह रिपोर्ट सूटकेस में ले जाते दिखे थे। बैठक में कानून मंत्रालय के अधिकारियों ने प्रस्तावित कानूनों के प्रावधानों पर प्रेजेंटेशन दी। भाजपा ने बिल का समर्थन करते हुए कहा कि यह देशहित में है। वहीं, कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने इसे संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ और लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया। जेपीसी को बजट सत्र के पहले हफ्ते के आखिरी दिन तक अपनी रिपोर्ट संसद में पेश करनी होगी। संसद में बिल पेश करने के लिए वोटिंग कराई गई थी कानून मंत्री मेघवाल ने 17 दिसंबर को लोकसभा में एक देश-एक चुनाव को लेकर संविधान संशोधन बिल रखा था। विपक्षी सांसदों ने इसका विरोध किया था। इसके बाद बिल पेश करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग कराई गई थी। कुछ सांसदों की आपत्ति के बाद वोट संशोधित करने के लिए पर्ची से दोबारा मतदान हुआ। इस वोटिंग में बिल पेश करने के पक्ष में 269 और विपक्ष में 198 वोट पड़े। इसके बाद कानून मंत्री ने बिल दोबारा सदन में रखा।

हाईकोर्ट बोला-क्या कमजोर दिमाग की महिला मां नहीं बन सकती

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को एक सुनवाई के दौरान पूछा कि क्या मानसिक रूप से कमजोर महिला को मां बनने का अधिकार नहीं। अगर हम ऐसा कहते है कि कम दिमाग वाले व्यक्ति को पेरेंट बनने का अधिकार नहीं तो यह कानून के खिलाफ होगा। जस्टिस आर.वी. घुगे और जस्टिस राजेश पाटिल की डिविजन बेंच 27 वर्षीय महिला के पिता की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें महिला के 21 हफ्ते की प्रेग्नेंसी को अबॉर्ट करने यानी खत्म करने की इजाजत मांगी गई थी। पिता का तर्क था कि उनकी बेटी मानसिक रूप से अस्वस्थ है और अविवाहित भी है।

मोदी का विशाखापट्टनम में रोड शो

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण के साथ विशाखापत्तनम में रोड शो किया। इस बीच में मोदी-मोदी के नारे लगे।

रैली के बाद पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश का विकास हमारा विजन है। यहां के लोगों की सेवा करना हमारी प्रतिबद्धता है। 2024 में लगातार तीसरी बार पीएम का पद संभालने के बाद मोदी का यह राज्य का पहला दौरा है। उन्होंने 1.85 लाख करोड़ रुपए की

परियोजनाओं का वर्चुअली शिलान्यास और उद्घाटन किया। उन्होंने पुडीमडका में बन रहे ग्रीन हाइड्रोजन हब प्रोजेक्ट की भी नींव रखी। विकास परियोजनाओं के तहत 300 एकड़ में 25 इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा सड़कें, इंडस्ट्रियल सेंटर, पोर्ट और केमिकल स्टोरेज जैसे प्रोजेक्ट्स की आधारशिला भी रखी गई।

ग्रीन हाइड्रोजन हब प्रोजेक्ट 1200 एकड़ में बनेगा ग्रीन हाइड्रोजन हब प्रोजेक्ट को गंगावरम पोर्ट के पास लगभग 1200 एकड़ जमीन पर बनाया जाएगा। इसकी लागत 1.85 लाख करोड़ रुपए है। जिसका 20 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी विकसित करना है। यहां रोज 1500 टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन होगा।

दिल्ली में आप का शीशमहल और भाजपा का राजमहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली सीएम आवास को %शीश महल% कहने पर भाजपा और आप आमने-सामने आ गई। इसे लेकर बुधवार को दोनों पार्टियों ने प्रदर्शन किया। आप के सांसद संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज मीडिया को लेकर ष्टरू हाउस पहुंचे। कहा कि हम दिखाने आए हैं कि शीशमहल में सोने का टॉयलेट कहां है। पुलिस ने दोनों नेताओं को ष्टरू हाउस के अंदर जाने से रोक दिया। इसके बाद दोनों सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत बन रहे नए प्रधानमंत्री आवास की ओर निकले। हालांकि, पुलिस ने उन्हें बीच रास्ते से ही वापस भेज दिया। संजय सिंह ने पीएम आवास को 2700 करोड़ का राजमहल बताया है। इसके बाद दिल्ली भाजपा अध्यक्ष विरेंद्र सचदेवा दिल्ली की ष्टरू आतिशी के बंगले पर पहुंचे। उन्होंने कहा- आतिशी को मथुरा रोड का बंगला आवंटित किया गया है। वो रहती कालकाजी में हैं। उनके पास दो-दो बंगले हैं। बंगले वाली देवी को और कितने बंगले चाहिए।

कोरोना वायरस जैसे एचएमपीवी का 9वां केस

बेंगलुरु/चेन्नई/अहमदाबाद (एजेंसी)। कोरोना वायरस जैसे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस का महाराष्ट्र में बुधवार को तीसरा केस मिला। मुंबई के हीरानंदानी अस्पताल में 6 महीने की बच्ची संक्रमित मिली है। उसे 1 जनवरी को खांसी, सीने में जकड़न और ऑक्सीजन लेवल 84 प्रतिशत तक गिरने की वजह से अस्पताल में भर्ती किया गया था। हालांकि अब वह ठीक है। मुंबई में इस वायरस का यह पहला मामला है। मंगलवार को नागपुर में 2 केस सामने आए थे। यहां 13 साल की लड़की और 7 साल का लड़का संक्रमित मिला था। हालांकि इन्हें अस्पताल में भर्ती नहीं करना पड़ा। इलाज के बाद उनकी स्थिति कंट्रोल में है। ताजा केस मिलने के बाद देश में इस वायरस के कुल मामले 9 हो गए हैं। महाराष्ट्र से पहले सोमवार को कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, पश्चिम बंगाल और गुजरात में एक-एक केस

मिलाकर वायरस के कुल 6 मामले सामने आए थे। एचएमपीवी केस सामने आने के बाद राज्यों ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। पंजाब में बुजुर्गों और बच्चों को मास्क पहनने की सलाह दी गई है। इधर गुजरात में अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड बनाए जा रहे हैं।

असम खदान हादसा-48 घंटे बाद नेवी ने एक शव निकाला

दीमा हसाओ (एजेंसी)। असम के दीमा हसाओ जिले के उमरंगसो में 300 फीट गहरी कोयला खदान में फंसे 9 मजदूरों में एक का शव बाहर निकाल लिया गया। 8 अभी भी फंसे है। रेस्क्यू में अब एयरफोर्स का एयरक्राफ्ट और हेलिकॉप्टर भी जुट गए हैं।

मंगलवार रात ऑपरेशन रोक दिया गया था। सुबह फिर से रेस्क्यू शुरू हो गया है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम भी मदद कर रही है। भारतीय सेना और असम राइफल्स के गोताखोर और मेडिकल टीम के साथ इंजीनियर्स टास्क फोर्स भी मौजूद हैं।

असम के स्पेशल डीजीपी हरमीत

सिंह ने कहा- खदान के अंदर एक शव मिला है। कल पानी बहुत गंदा था। कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। आज नेवी के (रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल) को सुरंग के अंदर भेजा गया।

आंकड़ों में दिल्ली विधानसभा चुनाव, 7 साल में भाजपा का वोट 5 प्रतिशत बढ़ा लेकिन सीटें 31 से 8 हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने 7 जनवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव का ऐलान कर दिया। सभी 70 विधानसभा सीटों पर 5 फरवरी को सिंगल फेज में वोटिंग होगी। नतीजे 8 फरवरी को आएंगे। चुनाव के ऐलान के साथ ही दिल्ली में आचार संहिता भी लागू हो गई। यह चुनाव प्रक्रिया पूरी होने यानी 10 फरवरी तक करीब 35 दिन लागू रहेगी। 2020 के चुनाव से इसकी तुलना करें तो यह 4 दिन कम है। तब चुनाव की घोषणा 6 जनवरी को हुई थी और प्रक्रिया पूरी होने यानी 13 फरवरी तक करीब 39 दिन लागू रही थी। 2020 से 8 लाख मतदाता बढ़कर 1.55 करोड़ हुए पिछले विधानसभा चुनाव 2020 से अब तक 5 साल में करीब 8 लाख मतदाता बढ़ गए। पिछली बार मतदाताओं की संख्या करीब 1.47 करोड़ थी। इसमें 79.86 लाख पुरुष, 67.30 लाख महिलाएं और 1176 थर्ड जेंडर मतदाता थे। जबकि इस बार चुनाव में 1.55 करोड़ मतदाता हैं। इनमें 83.49 लाख पुरुष, 71.74 लाख महिलाएं और 1261 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। 2013 में 1 साल पुरानी पार्टी ने 29त्न वोट झटके, अगले 2 साल में 54 प्रतिशत तक पहुंची 2012 की गांधी जयंती यानी 2 अक्टूबर को आम आदमी पार्टी की नींव रखी गई। इसके ठीक 1 साल 1 महीने और 2 दिन बाद 4 दिसंबर, 2013 को दिल्ली चुनाव के लिए वोटिंग हुई। जब 8 दिसंबर को नतीजे आए तो आप को 29.49 प्रतिशत वोट के साथ 28 सीटों पर जीत मिली।

केरल में हाथी ने शख्स को सूंड़ से उठाकर पटका

कोच्चि (एजेंसी)। घटना मंगलवार रात 12ः30 बजे की है। हादसा स्थानीय उत्सव के दौरान हुआ, जिसे नेरचा कहते हैं। उत्सव में सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए थे। इस दौरान वहां मौजूद 4 हाथियों में एक हाथी भड़क गया। भगदड़ में 23 घायल हैं। अचानक भीड़ की ओर दौड़ा हाथी मलप्पुरम के तिरूर में हर साल नेरचा उत्सव मनाया जाता है। पलक्कड़ जिले में पट्टांबी मस्जिद में हजारों की संख्या में लोग उत्सव में भाग लेते हैं। बुधवार को भी भीड़ ज्यादा थी। उत्सव के दौरान चार हाथी मंगाए गए थे।

यूपी में ठंड से 72 घंटे में 29 की मौत

श्रीनगर/नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के कारण पूरे उत्तर भारत में तेज सर्दी पड़ रही है। मौसम विभाग ने बुधवार को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, समेत 9 राज्यों में कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया है।

उत्तर प्रदेश में पिछले 72 घंटे में ठंड से 29 लोगों की मौत हुई है। पिछले 24 घंटे में ही 4 लोगों ने दम तोड़ दिया। यहां 16 जिले में कोल्ड डे का अलर्ट है। 2 दिन बाद कई जिलों में बारिश और ओले भी गिर

सकते हैं।

मध्य प्रदेश और राजस्थान के भी 35 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया। राजस्थान के नागौर में तापमान 2.5 डिग्री तक पहुंच गया।

तमिलनाडु के उदगमंडलम (ऊटी) में एवलांच भी आया। यहां तापमान 0ख्रष्ट रिकॉर्ड किया गया है। इसके कारण कंथल और थलाईकुंठा जैसे इलाकों में पाले की स्थिति है।

देश के 17 राज्यों में घना कोहरा देखने को मिला। दिल्ली में बुधवार सुबह कुछ जगहों पर जीरो विजिबिलिटी रिकॉर्ड की गई। इससे कई फ्लाइट्स और ट्रेनें लेट हुईं। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के कारण सड़कों पर कई फीट बर्फ जमी हुई है।

वी नारायणन इसरो के नए चेयरमैन बनाए गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को स्पेस साइंटिस्ट वी. नारायणन को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। उन्हें स्पेस डिपार्टमेंट का सचिव भी बनाया गया है। वे 14 जनवरी को इसरा चीफ एस. सोमनाथ की जगह लेंगे। नारायणन का कार्यकाल 2 साल का रहेगा। फिलहाल वे वलियामाला स्थित लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर के डायरेक्टर हैं। नारायणन के पास 40 साल का अनुभव है। वे रॉकेट और स्पेसक्राफ्ट ऑपरेशन के एक्सपर्ट हैं। इसरो के मौजूदा चेयरमैन एस. सोमनाथ ने 14 जनवरी 2022 को इसरो चेयरमैन का पद संभाला था। वे 3 साल के कार्यकाल के बाद रिटायर हो रहे हैं। उनके कार्यकाल में इसरो ने इतिहास रचा। इसरो ने न केवल चांद के साउथ पोल पर चंद्रयान-3 की लैंडिंग कराई, बल्कि धरती से 15 लाख किमी ऊपर लैगरेंज पॉइंट पर सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य-एल1 भी भेजा। एस सोमनाथ (60) ने 4 मार्च 2024 को एक मीडिया हाउस को दिए इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें कैंसर है।

भाजपा ने केजरीवाल को टॉयलेट चोर दिखाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव तारीखों का ऐलान होते ही आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच पोस्टर वॉर तेज हो गया है। बुधवार को भाजपा ने केजरीवाल से जुड़े 4 पोस्टर शेयर किए। इसमें उन्होंने पूर्व सीएम को गोविंदा की फिल्म राजा बाबू के रूप में दिखाया।

वहीं दूसरे पोस्टर में केजरीवाल की तस्वीर के साथ टॉयलेट शीट की फोटो शेयर की और लिखा- टॉयलेट चोर। वहीं अन्य पोस्ट में भाजपा ने आप संयोजक को दुलकर सलमान की फिल्म लकी भास्कर के पोस्टर के

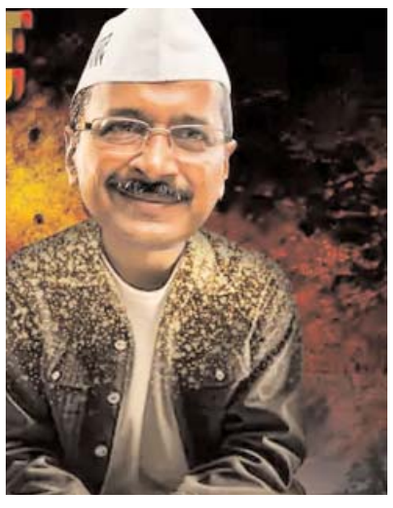

रूप में दिखाया। दोनों पार्टियों के बीच पोस्टर वॉर की शुरुआत 31 दिसंबर को हुई थी।

पिछले 9 दिनों में भाजपा ने 20 तो आम आदमी पार्टी ने 8 पोस्टर और एडिटेड वीडियो शेयर किए हैं।

दिल्ली में 70 विधानसभा सीटों पर 5 फरवरी को वोटिंग होगी, नतीजे 8 फरवरी को आएंगे। विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 23 फरवरी को खत्म हो रहा है।

जयशंकर बोले- प्रधानमंत्री ने काम करने का नजरिया बदला

भुवनेश्वर (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकारों के काम करने का नजरिया बदल दिया है। उन्होंने देश को चलता है से होगा कैसे नहीं वाला एटिट्यूड दिया है। जयशंकर ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में बोल रहे थे। भुवनेश्वर में 8 से 10 जनवरी तक 18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का आयोजन किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी 9 जनवरी को सुबह 10ः00 बजे इसका उद्घाटन करेंगे। इसमें 50 देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। पीएमगुरुवार को भारत की वैश्विक भागीदारी के बढ़ते महत्व और देश के भविष्य को आकार देने में प्रवासी समुदाय की भूमिका पर बोलेंगे। इससे पहले जयशंकर ने बुधवार को वैश्विक विकास को आगे बढ़ाने में भारत की युवा पीढ़ी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु की एक याद साझा की। उन्होंने कहा कि सिंधु ने पीएम को यूथ आइकन बताया था।

डल्लेवाल की हालत नाजुक

चंडीगढ़ (एजेंसी)। फसलों पर एमएसपी समेत 13 मांगों के लिए 44 दिन से हरियाणा-पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत नाजुक है। वह किसी के साथ बात भी नहीं कर पा रहे हैं। पूर्व डीजीपी नरेंद्र भार्गव और एसएसपी पटियाला नानक सिंह ने बताया कि डल्लेवाल ने मेडिकल ट्रीटमेंट लेने से मना किया है। प्रशासन उन्हें मनाने की कोशिश कर रहा है।

किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने कहा कि यदि डल्लेवाल के साथ कुछ अनहोनी हो गई तो शायद उसके बाद जो स्थिति पैदा होगी, उसे केंद्र सरकार संभाल नहीं पाएगी। इसलिए समय रहते केंद्र सरकार को किसानों के मुद्दों को हल करना चाहिए।

उधर, किसान नेताओं ने तय किया है कि 13 जनवरी को लोहड़ी पर कृषि मार्केटिंग पॉलिसी का ड्राफ्ट जलाया जाएगा। 26 जनवरी को पूरे देश में ट्रैक्टर मार्च निकाला

जाएगा। डल्लेवाल की नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी जांच कर रही है। आज का मेडिकल बुलेटिन जारी करते हुए डॉक्टरों की टीम ने कहा कि डल्लेवाल का ब्लड प्रेशर लगातार कम हो रहा है। ब्लड प्रेशर को स्थिर रखने के लिए उनके पैरों को ऊंचाई पर रखना पड़ रहा है। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा है कि उन्हें बात करने में परेशानी हो रही है। उन्होंने अपनी टीम से कहा है कि किसी को भी अंदर मेरी ट्रॉली में ना आने दिया जाए। डल्लेवाल ने कहा कि वे सभी का सम्मान करते हैं, लेकिन मेडिकल मजबूरी की वजह से वे बात करने में असमर्थ हैं।

ममता ने दिया बड़ा तोहफा, 9 लाख किसानों को मिलेगा फायदा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को 'बांगला शस्य बीमा% योजना के तहत लगभग नौ लाख किसानों को सीधे लाभ पहुंचाने के लिए 350 करोड़ रुपये जारी करने की घोषणा की। बनर्जी ने कहा, ''मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि 'बांगला शस्य बीमा योजना के तहत, अब हम नौ लाख किसानों के बैंक खातों में सीधे 350 करोड़ रुपए जारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सहायता उन सभी किसानों को प्रदान की जा रही है जिनकी फसलें खरीफ सीजन के दौरान प्रतिकूल मौसम के कारण क्षतिग्रस्त हो गई हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे किसानों को फसल बीमा के लिए कोई पैसा नहीं देना पड़ता है, क्योंकि हमारी राज्य सरकार आलू और गन्ने सहित

सभी फसलों के लिए संपूर्ण बीमा प्रीमियम का भुगतान करती है। उन्होंने कहा, ''हमें गर्व है कि वर्ष 2019 में अपनी स्थापना के बाद से राज्य सरकार ने अकेले 'बांगला फसल बीमा योजना के तहत 1.12 करोड़ प्रभावित किसानों को कुल 3,562 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की है। हम हमेशा बंगाल के किसानों के साथ रहे हैं और भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखेंगे।

चैम्पियंस ट्रॉफी के लिये पाकिस्तान की संभावित टीम में होंगे चोटिल अयूब

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तानी चयनकर्ताओं ने चोटिल बल्लेबाज सईम अयूब को 19 फरवरी से शुरू हो रही चैम्पियंस ट्रॉफी के लिये संभावित टीम में रखा है जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को भेजी जायेगी।

राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के करीबी सूत्र ने बताया कि पिछले कुछ महीने में सईम के फॉर्म और बतौर सलामी बल्लेबाज 50 ओवरों के क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को लगा कि उसे चोट के बावजूद प्रारंभिक टीम में होना चाहिये।

एसए20 से दक्षिण अफ्रीका को वैसी ही प्रतिभायें मिलेंगी जैसी आईपीएल से भारत को मिली-स्मिथ

केपटाउन (एजेंसी)। एसए 20 लीग के कमिश्नर ग्रीम स्मिथ का मानना है कि इस टी20 लीग से दक्षिण अफ्रीका को भी वैसी ही प्रतिभायें मिलेंगी जैसी आईपीएल ने भारत को दी है। एसए20 का तीसरा सत्र बृहस्पतिवार से शुरू होगा और स्मिथ का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका की सफलता में यह लीग योगदान देना जारी रखेगी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान स्मिथ ने पीटीआई से बातचीत में कहा ,'' मैं शुरू ही से कह रहा हूं कि दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के लिये खिलाड़ी तैयार करने में योगदान देना चाहता हूं।'' उन्होंने कहा ,'' बदकिस्मती से घरेलू क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अंतर काफी गहरा है और मुझे लगता है कि एसए20 से वह अंतर कम किया जा सकता है। इससे हमारे खिलाड़ियों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिल रहा है। टीमों के पास शानदार कोच और फिजियो हैं।' स्मिथ ने कहा कि एसए20 से दक्षिण अफ्रीका को क्रिकेट के नये प्रशंसक मिले हैं और घरेलू क्रिकेटरों को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर जैसा खेलने का अनुभव मिल रहा है। उन्होंने कहा ,'' अगर दर्शक संख्या और टीवी प्रोडक्शन की बात करें तो हमारे कई घरेलू क्रिकेटरों ने ऐसा पहले कभी नहीं देखा होगा।'' स्मिथ ने कहा ,'' इससे 30, 40 या 50 खिलाड़ी ऐसे निकल सकेंगे जो देश के लिये खेलने की दौड़ में होंगे। ठीक वैसे ही जैसे भारत को मिले हैं।'' दक्षिण अफ्रीका ने 2024 टी20 विश्व कप और 2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

भारतीय खिलाड़ियों को एसए20 में खेलने की स्वीकृति देगा बीसीसीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) निकट भविष्य में भारतीय खिलाड़ियों को एसए20 में भाग लेने की अनुमति देगा क्योंकि इससे इस फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग की लोकप्रियता बढ़ेगी। दिनेश कार्तिक एसए20 में भाग लेने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनने वाले हैं लेकिन यह तभी संभव हो पाया जब उन्होंने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। बीसीसीआई अपने सक्रिय खिलाड़ियों को विदेशी लीग में भाग लेने की अनुमति नहीं देता है। अभी तक भारत से बाहर की प्रतियोगिताओं में खेलने का एकमात्र तरीका स्वदेश में अपने करियर को विराम देना है। डिविलियर्स ने नौ जनवरी से शुरू होने वाले एसए20 के तीसरे सत्र से पूर्व चुनिंदा मीडिया से बात करते हुए कहा, '' मैं और अधिक भारतीय खिलाड़ियों को इसमें शामिल होते देखना पसंद करूंगा। हम जानते हैं कि दिनेश कार्तिक इस साल यहां होंगे जो शानदार है और यह टूर्नामेंट के लिए बहुत अच्छा है।'' उन्होंने कहा, ''और उम्मीद है कि बीसीसीआई भविष्य में और अधिक भारतीय खिलाड़ियों को एसए20 में शामिल होने की अनुमति देगा।''

सिडनी की पीच पर आईसीसी ने लगाया सबसे खराब पिच का ठप्पा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत ने पर्थ टेस्ट जीतकर टेस्ट सीरीज की शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद वह कोई भी टेस्ट नहीं जीत सका। सिडनी टेस्ट सीरीज का निर्णायक मैच साबित हुआ जहां भारत के हाथ से खिताब चला गया। इसी टेस्ट की पिच को अब आईसीसी ने बाकी पिचों के मुकाबले सबसे खराब का ठप्पा लगाया है। टीम इंडिया बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी हारने के बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की रेस से बाहर हो गई। भारत ने सीरीज में पर्थ टेस्ट जीतकर शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद वह कोई भी टेस्ट नहीं जीत सका। सिडनी टेस्ट सीरीज का निर्णायक मैच साबित हुआ जहां भारत के हाथ से खिताब चला गया। इसी टेस्ट की पिच को अब आईसीसी ने बाकी पिचों के मुकाबले सबसे खराब का ठप्पा लगाया है। सिडनी टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया ने 2-1 की बढ़त बना ली थी। भारत के पास मौका था कि वह सिडनी टेस्ट जीतकर 2-2 से सीरीज ड्रॉ कराए लेकिन ऐसा हुआ नहीं। सिडनी टेस्ट महज तीन दिन में ही खत्म हो गया। पिच पर आमतौर पर स्पिनर्स को मदद मिलती थी लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। अब इस सीरीज की सभी पिचों को रेटिंग दी गई है। पांचों टेस्ट में सबसे खराब रेटिंग सिडनी को ही गई हैं।

वहीं आईसीसी ने पर्थ, एडिलेड, ब्रिस्बेन और मेलबर्न टेस्ट मैचों के लिए इस्तेमाल की गई पित को अच्छी रेटिंग दी है जबकि सिडनी टेस्ट की पिच को औसतन रेटिंग दी गई।

साथ ही ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट संचालन और शेड्यलिंग प्रमुख पीटर रोच ने कहा कि वह रेटिंग से खुश हैं। उन्होंने कहा कि, एससीजी कोशिश कर रहा है कि पिच अलग तरह बिहेव करे। स्पिनर्स को मदद से पहले वह तेज गेदंबाजों को गति और उछाल दे। ये साल इसे प्राप्त करने क लिए सही दिशा में एक कदम था जिसने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज को एक रोमांचक अंत दिया और 2025-26 में एशेज गर्मियों के लिए अच्छा संकेत है।

गौतम गंभीर देना चाहेंगे संजू सैमसंग को मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले महीने से चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज होने जा रहा है। वहीं इस टूर्नामेंट में रोहित शर्मा और विराट कोहली के भारत की वनडे टीम के बल्लेबाजी कोर का हिस्सा बने रहने की संभावना है लेकिन कम से कम तीन सीनियर खिलाड़ियों को पत्ता कट सकता है। दरअसल, 50 ओवर के प्रारुप में इन खिलाड़ियों के भविष्य पर बहस हो सकती है। जब चयनकर्ता चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम चुनेंगे। केएल राहुल, मोहम्मद शमी और रविंद्र जडेजा का चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में होना तय नहीं है। हालांकि, वे 2023 वनडे वर्ल्ड कप का हिस्सा थे।

फाइनल के बाद से भारत ने 6 वनडे मैच खेले हैं और शमी और जडेजा को आराम दिया गया था। जबकि राहुल को साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के खिलाफ दोनों द्विपक्षीय सीरीज के लिए टीम में चुना गया था।

हालांकि, श्रीलंका के खिलाफ उन्हें बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के कारण सीरीज के बीच में ही बाहर कर दिया गया था। ये भी नहीं भूलना चाहिए कि 100 से ज्यादा गेंदों खेलने के बाद उनका धीमा अर्धशतक 19 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में भारत की हार का

मुख्य कारण बना था।

ऐसा माना जा रहा है कि यशस्वी जायसवाल के पास वनडे टीम में जगह बनाने का बहुत अच्छा मौका है। उनके होने से टॉप चार में बाएं हाथ के बल्लेबाज की जगह पक्की हो जाएगी, लेकिन अगर ऋषभ पंत पहली पसंद के विकेटकीपर हैं तो क्या राहुल को बैकअप के तौर पर रखने का कोई मतलब होगा? अगर राहुल विकेटकीपिंग नहीं करते हैं तो बल्लेबाज के तौर पर उनकी जगह पक्की नहीं है।

पीटीआई के अनुसार राहुल के सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वियों में से इशान किशन ने विजय हजारे ट्रॉफी में पर्याप्त रन हीं बनाए हैं, जबकि संजू सैमसन को केरल ने शुरुआती मैचों में नहीं चुना है। अगर टीम चयन में कोच गौतम गंभीर की चली तो व्यक्तिगत तौर पर उनके पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक सैमसन निश्चित तौर पर टीम में जगह बना लेंगे। भारत चैंपियंस ट्रॉफी के अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा, जिसकी शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले से होगी। ऐसा तब हुआ जब टीम ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए मूल मेजबान पाकिस्तान की यात्रा करने से इन्कार कर दिया था।

जडेजा की व्हाइट बॉल में पहले की तरह बल्लेबाजी नहीं रही है। चयन समिति पर नजर रखने वालों का मानना है कि इस समय अक्षर पटेल को वनडे में ज्यादा प्रभावी माना जा रहा है। वाशिंगटन सुंदर के ऑप स्पिनर के तौर पर खेलने की उम्मीद है, लेकिन कुलदीप यादव की फिटनेस ऐसी चीज है जिस पर चयनकर्ता चिंतित होंगे। कुलदीप पूरी तरह से फिट हैं लेकिन उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी का कोई मैच नहीं खेला है। अगर कुलदीप पूरी तरह से फिट हैं लेकिन उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी का कोई मैच नहीं खेला है। अगर कुलदीप टीम में जगह बनाने में कामयाब नहीं होते हैं तो रवि बिश्नोई या वरुण चक्रवर्ती को टीम में जगह मिल सकती है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए फिट हैं मोहम्मद शमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम इंडिया का चयन 12 जनवरी से पहले पहले हो जाएगा। वहीं इस टूर्नामेंट के लिए कप्तान रोहित शर्मा से लेकर यशस्वी जायसवाल तक तमाम खिलाड़ियों के चनय को लेकर चर्चा जारी है। इस बीच 2023 वनडे वर्ल्ड कप के बाद से चोट के कारण बाहर चल रहे मोहम्मद शमी ने 24 घंटे के अंदर दूसरी बार सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया है।

वहीं चोट से उबरकर घरेलू क्रिकेट में वापसी के बाद भी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं चुने गए मोहम्मद शमी वीडियो शेयर कर कहीं न कहीं भारतीय चयनकर्ताओं को ध्या आकर्षित करना चाहते हैं। इसके जरिए वो चयनकर्ताओं को बताना चाह रहे हैं कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए फिट हैं। शमी ने मंगलवार को नेट्स में गेंदबाजी करते हुए वीडियो डाला था।

शमी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 9 मैच खेले और 11 विकेट चटकाए। घुटने में सूजन के कारण वे विजय हजारे ट्रॉफी के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाए थे, लेकिन उन्होंने वापसी की और बिहार और मध्य प्रदेशन के खिलाफ मैचों की आठ ओवर गेंदबाजी की। बल्लेबाजी में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के कारण शमी ने चयन के लिए मजबूत दावेदारी पेश की है।

तलाक के मामले पर युजवेंद्र चहल की पहली प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्पिनर युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के बीच रिश्ता कुछ ठीक नहीं चल रहा है, कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस कपल के तलाक होने वाला है। वहीं ये खबर चारों तरफ से फैल गई है। अगर ये खबर पक्की नहीं है और अफवाह है तो, कहीं ना कहीं इस अफवाह में सच्चाई भी नजर आ रही हैं क्योंकि इस कपल ने सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। इसके अलावा युजवेंद्र और धनश्री ने अपने-अपने इंस्टाग्राम से तस्वीरें नहीं हटाई हैं। ऐसे में धनश्री वर्मा युजवेंद्र चहल से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर देखने को मिल रहे हैं। जिसके कारण वजह से फैंस धनश्री को बुरा-भला कह रहे हैं। फिलहाल, चहल ने इन तमाम खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

टीम इंडिया के खिलाड़ी चहल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है, उन्होंने इसके जरिए अपनी भावनाएं साझा की हैं। चहल ने

इंस्टाग्राम स्टोर पर एक लाइन शेयर की, जिसमें उन्होंने लिखा कि, खामोशी उन सभी के लिए सबसे गहरी आवाज है, जो इसे शोर से उठकर सुन सकती हैं।

बता दें कि, चहल ने हाल ही में इंस्टाग्राम से धनश्री के साथ की ज्यादातर तस्वीरें डिलीट कर दी थीं, इसी के बाद से उन के तलाक की खबरें तेज हो गई। हालांकि, धनश्री ने अभी तक तलाक के मामले पर किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं दी। इन दोनों साल 2020 में शादी की थी।

वहीं, इससे पहले चहल का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। जब धनश्री वर्मा उनके साथ थी। गौर करने वाली बात ये है कि शादी के कुछ समय बाद सेही दोनों का रिश्ता खराब होने लगा था और इन दोनों के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर तरह आने लगी थी। वहीं इस वीडियो में चहल काफी इमोशनल होते हुए कह रहे हैं कि कई बार ऐसा होता है कि रोना चाहता हूं लेकिन ऐसा हो ही नहीं पाता है, दिल रोता है लेकिन आंसू छिपा लेती है। शायद चहल उस वक्त भी अपने खराब रिश्ते के बारे में हिंट दे रहे होंगे जिसको हर किसी ने नजरअंदाज कर दिया था।

इस धाकड़ बल्लेबाज की टॉप-10 में एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने बुधवार को टेस्ट क्रिकेट की ताजा रैंकिंग जारी की। वहीं बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन के बाद विराट कोहली, रोहित शर्मा और शुभमन गिल की टेस्ट बैटिंग रैंकिंग खराब हो गई है। केएल राहुल को भी बड़ा नुकसान हुआ है। हालांकि, सिडनी टेस्ट में 40 और 61 रन की पारी खेलने वाले ऋषभ पंत की एंट्री टॉप-10 में हो गई है।

वहीं शुभमन गिल और विराट कोहली को 3-3 स्थान का नुकसान हुआ है। रोहित शर्मा टॉप-40 से बाहर हो गए हैं। केएल राहुल टॉप-50 से बाहर हो गए हैं। सिडनी टेस्ट से पहले पंत 12वें नंबर पर थे। वह 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके अलावा यशस्वी जायसवाल टॉप-10 में अन्य बल्लेबाज हैं। यशस्वी जायसवाल नंबर 4 पर हैं। इन दोनों खिलाड़ियों के अलावा टॉप-20 में कोई अन्य भारतीय बल्लेबाजी नहीं है।

सिडनी टेस्ट से पहले विराट कोहली 24वें नंबर पर थे। अब वह 27वें नंबर पर

पहुंच गए हैं। इसी तरह गिल 20वें से 23वें नंबर पर खिसक गए हैं। सिडनी टेस्ट न खेलने वाले रोहित शर्मा को 2 स्थान का नुकसान हुआ है। वह 42वें नंबर पर पहुंच गए हैं। राहुल को 11 स्थान का नुकसान हुआ है। वह 41वें से 52वें नंबर पर पहुंच गए हैं। जबकि रविंद्र जडेजा को भी 2 रैंक का नुकसान हुआ है। वे 51वें नंबर पर आ गए हैं।

वहीं सिडनी टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मैच रहे स्कॉट बोलैंड 29 स्थान की छलांग लगाई और टॉप-10 में जगह बना ली। वह रविंद्र जडेजा के साथ नंबर 9 पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस नंबर 2 पर पहुंच गए हैं। बुमराह टॉप पर बने हुए हैं जबकि साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा नंबर 3 पर पहुंच गए हैं। इस बीच आईसीसी ने भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज की पिचों की रेटिंग जारी की है।

गोबर पर फिसली 3 गाड़ियां टकराईं, कार सवार की मौत

सतना-मैहर रोड पर 3-4किमी तक पड़ा था गोबर, थाने के बाहर शव रखकर हंगामा

मीडिया ऑडीटर, मैहर/सतना निप्र। सतना में सड़क पर फैले गोबर पर फिसलने से तीन गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इसमें एक कार चालक की मौत हो गई, दो लोग घायल हैं। घटना के बाद गुस्साए मृतक के परिजन ने मंगलवार रात कोलगवां थाने के बाहर शव रखकर करीब 1 घंटे तक हंगामा किया। पुलिस की समझाइश के बाद वे शांत हुए।

हादसा मंगलवार रात करीब 11:30 बजे सतना-मैहर रोड पर हुआ। ग्रामीणों ने बताया कि हाइवा ट्रक गोबर लोड करके जा रहा था। उसी से गोबर सड़क पर फैला। गोबर से गाड़ियां स्लिप हो रहीं थी। आने-जाने वालों को सचेत भी किया जा रहा था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार गोबर में फिसल गई। पीछे से आ रही दूसरी कार ने उसे टक्कर मार दी। इसके पीछे लगी तीसरे कार भी उनसे टकरा गई।

हादसे में कार चला रहे बबलू दाहिया (46) निवासी कटिया को गंभीर चोट आई। उसे बिरला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इसके अलावा, बीडी झलवानी (48) और संजय झलवानी (49) निवासी सतना को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

थाने के बाहर शव रखकर परिजन का हंगामा: सूचना के बाद मृतक बबलू के परिवार वाले मौके पर पहुंच गए। परिजन ने मंगलवार देर रात कोलगवां थाने के सामने शव रखकर जमकर हंगामा किया। उन्होंने हॉस्पिटल के डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया। करीब एक घंटे बाद टीआई सुदीप सोनी की समझाइश के बाद मामला शांत हुआ।

घायल बोला- 3-4 किमी तक फैला था गोबर: हादसे में घायल बीडी झलवानी ने बताया कि वह कार से मैहर से सतना आ रहे थे। करीब तीन से चार किलोमीटर तक सड़क पर गोबर और कीचड़ फैला था। इसमें कई वाहन फिसल कर दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। आसपास के कुछ गांव वाले टॉर्च दिखाकर वाहन चालकों को सचेत भी कर रहे थे। इसी दौरान अचानक हमारी गाड़ी फिसल गई।

सतना गर्ल्स कॉलेज में एनएसयूआई का तालाबंदी प्रदर्शन

खराब रिजल्ट देने का विरोध, बीएससी-बीकॉम की छात्राओं को हिंदी में मिला जीरो

मीडिया ऑडीटर, मैहर निप्र। सतना के इंदिरा कन्या महाविद्यालय में बुधवार को एनएसयूआई ने तालाबंदी कर प्रदर्शन किया। छात्राओं के रिजल्ट खराब आने का विरोध करते हुए कालेज प्रबंधन को 15 जनवरी तक जांच का अल्टीमेटम दिया गया। इस दौरान काफी संख्या में कालेज की छात्राएं मौजूद रहीं।

दरअसल, गर्ल्स कॉलेज में अध्ययनरत बीएससी बीकॉम की 90 फीसदी छात्राओं को हिंदी जैसे विषय मे जीरो मार्क्स मिले है। एक साथ इतनी छात्राओं को परीक्षा में जीरो मार्क्स मिलने से रिजल्ट में गड़बड़ी का शक गहरा रहा है। कालेज प्रबंधन भी इस बारे में एपीएस यूनिवर्सिटी से पत्राचार कर चुकी है।

एसडीएम की समझाइश के बाद खुला गेट: कांग्रेस की स्टूडेंट विंग एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव आनंद पांडेय के नेतृत्व में छात्राओं ने कॉलेज के गेट पर तालाबंदी कर नारेबाजी शुरू कर दी। सूचना मिलने पर एसडीएम और पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। विरोध प्रदर्शन के बीच एसडीएम की समझाइश के बाद प्रदर्शन समाप्त हो गया। 15 जनवरी तक का अल्टीमेटम देते हुए एनएसयूआई के पदाधिकारियों ने कॉलेज गेट का ताला खोल दिया।

शाखा प्रबंधक और रोजगार सहायक को कारण बताओ नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अपर कलेक्टर मैहर शैलेन्द्र सिंह द्वारा निःशक्त विवाह प्रोत्साहन राशि में धोखाधडी पाये जाने पर मध्यांचल ग्रामीण बैंक शाखा गोरहाई के शाखा प्रबंधक तथा जनपद पंचायत रामनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरी के रोजगार सहायक नागेन्द्र सिंह उर्फ रिंकू को कारण बताओ नोटिस जारी कर जबाव मांगा गया है। अपर कलेक्टर द्वारा जारी नोटिस में बताया गया कि मोहनिया सिंह गोड एवं भगवान सिंह को 2 लाख रूपये की निःशक्त विवाह प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई थी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रामनगर की जांच में पाया गया कि रोजगार सहायक नागेन्द्र सिंह उर्फरिंकू द्वारा आदिवासी निःशक्त दिव्यांग दम्पत्ति के साथ धोखाधडी कर बैंक से 2 लाख रूपये की राशि का आहरण किया गया है।

एमपी बिड़ला भरौली प्लांट के सिक्योरिटी हेड की संदिग्ध मौत

पत्नी भी वेंटिलेटर सपोर्ट पर, सुबह बिस्तर पर बेहोशी की हालत में मिले थे पति-पत्नी

मीडिया ऑडीटर, मैहर/सतना निप्र। एमपी बिरला के भरौली सीमेंट प्लांट के सिक्योरिटी एडमिन हेड की संदिग्ध परिस्थितियों में अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। उनकी पत्नी को गंभीर हालत में सतना के बिड़ला हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। घटना के कारणों का पता नही चल सका है। चिकित्सकों का कहना है कि दोनों ने जहर खाया है। पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है।

जानकारी के अनुसार मैहर के चौपड़ा कालोनी निवासी पौराणिक साहू (54 वर्ष) एवं उनकी पत्नी अम्बिका साहू (49 वर्ष) मंगलवार की रात खाना खा कर अपने कमरे में सोने चले गए थे। सुबह 8 बजे तक नही उठे तो उनकी बेटी ज्योति साहू उनके कमरे में गई। देखा तो माता पिता बेहोशी की हालत में बिस्तर पर पड़े हैं।

किराएदारों और पौराणिक के दोस्त व अन्य पड़ोसियों की मदद से दोनो को मैहर सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने पौराणिक को मृत घोषित कर दिया। गंभीर हालत में आक्सीजन सपोर्ट में अम्बिका साहू को सतना के बिड़ला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अम्बिका को वेंटिलेटर सपोर्ट पर रख गया है।

इधर, सूत्रों का कहना है कि बीते कुछ दिनों से पौराणिक साहू का पत्नी से विवाद चल रहा था। बीती रात भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। चिकत्सकों का कहना है कि जब दोनों के अस्पताल लाया गया तब उनके मुंह से सफेद झाग निकल रहा था। पौराणिक साहू की मौत हो चुकी थी। उनकी पत्नी की नब्ज चल रही थी। ट्यूब के जरिए उनके पेट से जहरीला पदार्थ निकाल उनका इलाज शुरू किया गया। दोनों ने कौनसा जहरीला पदार्थ खाया है। इसके बारे में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा।

जितने मुंह उतनी बाते: मृतक पौराणिक साहू के परिवार के लोग अभी कुछ भी बता पाने की स्थिति में नही है। आसपड़ोस के लोगो का कहना है कि पौराणिक और उनकी पत्नी रात में कमरे में सिगड़ी जला कर सोते थे। कल भी सिगड़ी में कोयला जला कर सो गए। कमरे की खिड़की दरवाजा बंद था। दम घुटने से दोनो की हालत बिगड़ गई।

मेडिकल कॉलेज के आउट सोर्स कर्मचारी हड़ताल पर

बोले-वेतन नहीं मिलने तक धरना देंगे, 3 महीने से नहीं मिली सैलरी

मीडिया ऑडीटर, मैहर निप्र। सतना मेडिकल कॉलेज के आउटसोर्स कर्मचारी एक बार फिर आंदोलन की राह पर है। बुधवार को 3 माह से वेतन न मिलने से नाराज कर्मचारियों ने गेट नंबर 1 पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। आउटसोर्स कर्मचारियों का कहना है कि अब जब तक वेतन नहीं मिलेगा, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

सतना के मेडिकल कालेज की प्रशासनिक अव्यवस्था के चलते ट्रेनी डॉक्टर भी समय पर वेतन न मिलने से हड़ताल कर चुके हैं। इस बार आउटसोर्स कर्मचारियों में प्यून, सफाई कर्मी, एवं कंप्यूटर ऑपरेटर हड़ताल में चले गए है। उन्हें तीन माह से वेतन नहीं मिला। कर्मचारियों का आरोप हैं कि तीन माह से वेतन न मिलने से वो मानसिक और आर्थिक समस्याओं से घिर चुके है। कम्प्यूटर ऑपरेटर संध्या ने बताया कि अब जब तक वेतन का भुगतान नहीं होगा तब तक सभी हड़ताल पर बैठे रहेंगे।

आयुष्मान कार्ड धारी मरीजों से नहीं लिया जायेगा कोई पंजीयन शुल्क

रोगी कल्याण समिति के कार्यकर्ताओं के मानदेय में हुई वृद्धि, कार्यकारिणी सभा की बैठक में कई निर्णय

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सरदार वल्लभ भाई पटेल जिला चिकित्सालय सतना में इलाज के लिए आने वाले आयुष्मान कार्ड धारी मरीजों से किसी भी प्रकार का ओपीडी अथवा आईपीडी पंजीयन शुल्क नहीं लिया जायेगा। इसी प्रकार जिला अस्पताल में कार्यरत रोगी कल्याण समिति के कार्यकर्ताओं के मानदेय में कलेक्टर रेट के अनुरूप वृद्धि कर 370 रूपये प्रतिदिन के मान से प्रदाय किया जायेगा। इस आशय के निर्णय बुधवार को कलेक्टर अनुराग वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न रोगी कल्याण समिति की कार्यकारिणी सभा की बैठक में लिये गये। इस मौके पर आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. मनोज शुक्ला, जिला कार्यक्रम अधिकारी सौरभ सिंह, आरएमओ डॉ. शरद दुबे, डॉ. अमर सिंह, डॉ. विजेयता राजपूत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी समिति सदस्य उपस्थित रहे।

रोगी कल्याण समिति की बैठक में सिविल सर्जन डॉ. शुक्ला ने बताया कि जिला चिकित्सालय में रोगी कल्याण समिति के 53 कार्यकर्ता सपोर्टिंग स्टाफ के रूप में कार्यरत हैं। जिन्हें 8 घंटे की डयूटी उपरांत जुलाई 2017 से 295 रूपये और सितम्बर 2022 से 330 रूपये प्रतिदिन के हिसाब से मानदेय दिया जाता है। वर्तमान में दैनिक मजदूरी का कलेक्टर रेट 368 रूपये है। कलेक्टर वर्मा ने रोगी कल्याण समिति के कार्यकर्ताओं को कलेक्टर रेट के अनुरूप मानदेय 330 रूपये प्रतिदिन के मान से देने के अलावा एक सेट वर्दी जैकेट के साथ दिलाये जाने का निर्णय लिया। अब रोगी कल्याण समिति के महिला, पुरूष कार्यकर्ता ब्लूकलर की वर्दी में जैकेट के साथ कार्यरत दिखेंगे। समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि जिला अस्पताल इलाज के लिए आने वाले आयुष्मान कार्ड धारी मरीजों को ओपीडी और आईपीडी की पंजीयन शुल्क फ्री की जायेगी। अब इन मरीजों को पर्चा बनवाने कोई शुल्क नहीं देना होगा।

जिला चिकित्सालय सतना में पीएसए प्लांट आधारित उत्पादन संयंत्रों में डेडी केटेड ट्रांसफार्मर की स्थापना के लिए प्राप्त राशि 17 लाख 36 हजार 827 रूपये के व्यय के संबंध में विभाग से अनुमति लेकर कार्यवाही करने का निर्णय लिया गया। जिला चिकित्सालय के भवन की पुताई और छज्जों के रिनोवेशन, छत के सुधार के माइनर सिविल वर्क के लिए एस्टीमेंट प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये गये। वाहन पार्किंग को पूर्व में दी गई प्रक्रिया के अनुसार आनलाइन निविदा प्रक्रिया के तहत पुनः संचालन करने का निर्णय लिया गया।

सिविल सर्जन डॉ. शुक्ला ने रोगी कल्याण समिति के आय-व्यय की जानकारी में बताया कि वर्ष 2022-23 में 2 करोड 27 लाख 24 हजार 987 रूपये, वर्ष 2023-24 में 2 करोड 62 लाख 57 हजार 92 रूपये की आय रही है। वर्ष 2024-25 में अब तक 1 करोड 97 लाख 50 हजार 785 रूपये की आय रही। रोगी कल्याण समिति के व्यय पत्रक के अनुसार वर्ष 2022-23 में 1 करोड 77 लाख 230 रूपये, वर्ष 2023-24 में 2 करोड 37 लाख 78 हजार 739 रूपये और वर्ष 2024-25 में 1 करोड 44 लाख 96 हजार 974 रूपये व्यय किये गये हैं।

रोगी कल्याण समिति की बैठक में जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं और उपचार सेवाओं पर चर्चा के दौरान सिविल सर्जन ने बताया कि सर्दी के मौसम में जिला अस्पताल के भर्ती मरीजों के लिए पर्याप्त मात्रा में कम्बल उपलबध है। मरीजों की डिमांड पर दो-दो कंबल भी उपलब्ध कराये जाते हैं।

जिला स्तरीय कृषक प्रशिक्षण में राज्यमंत्री हुई शामिल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के मुख्य आतिथ्य में बुधवार को एकेएस विश्वविद्यालय सतना के सेन्ट्रल हाल में आत्मा परियोजना अंतर्गत एक दिवसीय जिला स्तरीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परियोजना संचालक आत्मा राजेश त्रिपाठी, कृषि वैज्ञानिक डॉ. अजय पाण्डेय, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. ए.के. भौमिक, सहायक संचालक कृषि राम सिंह बागरी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी संजय सिंह, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, अलका शुक्ला, पूजा पाण्डेय, सतेन्द्र कुमार नामदेव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि परम्परागत तरीके से खेती के हमारे बुजुर्गो द्वारा जो गुर बताये गये थे, उनके साथ ही कृषि की नवीन वैज्ञानिक तकनीकी का उपयोग करना लाभकारी होगा। उन्होंने बताया कि आज कृषि में अधिकतम पैदावार के लिए रसायन एवं कीटनाशकों का इस्तेमाल हो रहा है। जिससे उत्पादित अनाज स्वास्थ्य की द्रष्टिकोण से उतना सुरक्षित नहीं रह गया है। हर घर में कैंसर, बी.पी. एवं सुगर जैसी बीमारी से लोग ग्रस्त हो रहे है। जबकि हमारे पूर्वजो द्वारा जो पहले कृषि की जाती थी वह पूर्णतः पोषणयुक्त, संतुलित तथा स्वास्थ्य की द्रष्टिकोण से सुरक्षित रहती थी। राज्यमंत्री ने कहा कि पहले हर घर में 25-50 पशुधन लोग पाला करते थे। जिससे पर्याप्त मात्र में गोबर का का खाद होती थी। जिसका उपयोग हम अपने खेतों में फसल उगने में करते थे। जिससे हमारी फसल पूर्णतः सुरक्षित रहती थी। आज सरकार किसानो को उनकी मांग अनुसार कृषि में भी बहुत अधिक सुविधाए विकसित की है। जिसमे जैसे फसल सिंचाई हेतु ड्रिप एवं सिंप्रकलर तकनीक में अनुदान/फसलो में सुचारू हेतु स्प्रेयिंग हेतु ड्रोन तकनीक का भी विकास किया गया है जिस पर शासन अत्यधिक मात्रा में अनुदान मुहैया करा रही है।

अलाउद्दीन खां स्टेडियम में होगा गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह

कलेक्टर ने ली अधिकारियों की बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर जिले का जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह देवी जी रोड पर उस्ताद अलाउद्दीन खां स्टेडियम में 26 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। मैहर कलेक्टर श्रीमती रानी बाटड ने बुधवार को अधिकारियों की बैठक लेकर 26 जनवरी को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में दिशा-निर्देश दिए और विभिन्न विभागों को दायित्व सौंपे। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, डॉ. आरती सिंह, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, सीएमएचओ डॉ. एलके तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी टीपी सिंह, ईईआरईएस अश्विनी जायसवाल, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, एसडीओ फारेस्ट यशपाल मेहरा, सीईओ जनपद एमएल प्रजापति, ओपी अस्थाना सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मैहर में जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी को प्रातः 9 बजे से ध्वजारोहण के साथ प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पीटी प्रदर्शन, पुरस्कार वितरण एवं झांकी प्रदर्शन के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरूस्कार के लिए उनके नाम संक्षिप्त कार्य विवरण के साथ अपर कलेक्टर के पास 22 जनवरी तक प्रस्तुत कर दें। विभाग प्रमुख इसके लिए अपना नाम स्वयं प्रस्तावित नहीं करेंगे। जिला अधिकारियों का कार्य मूल्यांकन कलेक्टर द्वारा किया जायेगा। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर भवनों पर रोशनी की जायेगी। गणतंत्र दिवस की संध्या पर भारत पर्व का आयोजन भी किया जायेगा और इस अवसर पर जनसम्पर्क विभाग द्वारा विकास प्रदर्शनी का आयोजन भी होगा। मैहर कलेक्टर ने अमरपाटन और रामनगर उपखंड में जनपद स्तरीय, ग्राम स्तरीय एवं नगरीय निकाय स्तरीय गणतंत्र दिवस के आयोजन के संबंध में जानकारी लेकर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

जनकल्याण अभियान के शिविरों में आवेदनों की संख्या बढाकर समय-सीमा में निराकृत करें : कलेक्टर

मैहर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा प्रकरणों की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर कलेक्टर रानी बाटड ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनकल्याण अभियान के दौरान लगाये जा रहे शिविरों में हितग्राहियों एवं नागरिकों से प्राप्त होने वाले आवेदनों की संख्या बढाये और इनका निराकरण समय-सीमा में करें। बुधवार को समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान, राजस्व महाअभियान एवं उच्च प्राथमिकता की योजनाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, डॉ. आरती सिंह, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, सीएमएचओ डॉ. एलके तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी टीपी सिंह, ईईआरईएस अश्विनी जायसवाल, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, एसडीओ फारेस्ट यशपाल मेहरा, सीईओ जनपद एमएल प्रजापति, ओपी अस्थाना सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि अभियान के दौरान सभी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं के लाभ से परिपूर्ण किया जाना है। विभागीय अधिकारी योजनाओं और कार्यक्रमों में रूचि लेकर अभियान के कार्यो को संपादित करें। उन्होंने समीक्षा के दौरान सहकारिता, सामाजिक न्याय, वित्त विभाग, स्वास्थ्य आदि विभागों में सिंगल डिजिट में प्राप्त आवेदनों की संख्या के आधार पर संबंधित विभाग को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जिन विभागों के आवेदनों की संख्या डबल डिजिट में है। उन्हें भी पत्र जारी कर रूचि पूर्वक कार्य करने निर्देशित करे। कलेक्टर ने कहा कि अगले तीन दिनों में जनकल्याण अभियान की रिपोर्ट में सुधार नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही का प्रस्ताव भेजा जायेगा। उन्होंने कहा कि जनकल्याण अभियान में सभी शासकीय विभागों की हिस्सेदारी परिलक्षित होनी चाहिए। सभी विभाग अपनी योजनाओं के आवेदन के संबंध में जनपद सीईओ और नगरीय निकाय के सीएमओ से प्रतिदिन संपर्क कर विभाग से संबंधित लोगों के आवेदन प्राप्त कर उनका निराकरण करें। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि 50 दिवस से ऊपर की विभिन्न विभागों की 5087 कुल शिकायतें लंबित हैं। जिनमें महिला बाल विकास की 1298 शिकायतें शामिल है। 50 दिवस से ऊपर की शिकायतों को विभागीय अधिकारी स्वयं देखें और इनका निराकरण करे। इसी प्रकार दिसंबर माह की कुल 2115 शिकायतों की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने कहा कि इन शिकायतों का समय-सीमा में संतुष्टिपूर्वक निराकृत करे। उन्होंने पिछले माह की ग्रेडिंग में सी और डी श्रेणी में रहे विभागों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के उपयंत्री श्री पटेल की प्रत्येक माह 10 से 15 शिकायतें नॉट-अटेण्ड पाये जाने पर जनवरी माह में 15 दिवस की वेतन काटने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि राज्य शासन से सभी छात्रावासों का निरीक्षण किये जाने के निर्देश दिये है।

संबंधित अधिकारी छात्रावासों का नियमित निरीक्षण कर पालन प्रतिवेदन अपर कलेक्टर के पास प्रस्तुत करें। अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि सभी संबंधित अधिकारीगण उनके विभाग से संबंधित प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक और सीएम मानिट के प्राप्त आवेदन पत्रों के जबाव संबंधित को अवश्य प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने उच्च शिक्षा विभाग से किसी अधिकारी के उपस्थित नहीं रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि 12 जनवरी को सामूहिक सूर्य नमस्कार का कार्यक्रम विद्यालयों में होगा। इसके लिए अभी से तैयारियां प्रारंभ कर दें।

विकसित मध्यप्रदेश 2047 के तहत मैहर विजन डाक्यूमेंट पर चर्चा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर जिले में समय-सीमा प्रकरणों के पश्चात कलेक्टर रानी बाटड की अध्यक्षता में विकसित मध्यप्रदेश 2047 के अंतर्गत तैयार किये गये मैहर 2047 के विजन डाक्यूमेंट पर चर्चा की गई। इस दौरान कलेक्टर ने बताया कि मैहर विजन 2047 का प्लान तैयार किया गया है। जिसके तहत जिला और ब्लाक स्तर पर जन संवाद के कार्यक्रम किये जायेंगे। जनप्रतिनिधियों और जन संवाद में प्राप्त सुझावों के अनुसार इस प्लान में संशोधन कर अंतिम विजन प्लान तैयार किया जायेगा। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, डॉ. आरती सिंह, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, सीएमएचओ डॉ. एलके तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी टीपी सिंह, ईईआरईएस अश्विनी जायसवाल, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, एसडीओ फारेस्ट यशपाल मेहरा, सीईओ जनपद एमएल प्रजापति, ओपी अस्थाना सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।